RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर

श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज

श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी

तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:225 ता. 25 फरवरी 2024, रविवार , कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली कूच 29 तक टला, 7 जिलों में इंटरनेट बैन बढ़ा

- पंजाब चीफ सेक्रेटरी का हरियाणा को लेटर, घायल किसान को सौंपने को कहा

अंबाला (एजेंसी)। किसान आंदोलन का शनिवार को 12वां दिन है। पंजाब के किसान शंभू और खनौरी बॉर्डर पर डटे हुए हैं। किसानों ने

दिल्ली कूच का फैसला 29 फरवरी तक टाल दिया है। किसान नेता सरवण पंधेर ने कहा कि इस पर उसी दिन फैसला लेंगे। शंभू और खनौरी बॉर्डर पर शाम को कैंडल मार्च होगा। हरियाणा के 7 जिलों में मोबाइल इंटरनेट पर रोक बढ़ा दी गई है। अंबाला, कुरुक्षेत्र, कैथल, जींद, हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में 24 फरवरी की रात 12 बजे तक इंटरनेट बंद रहेगा।

टेंशन के बीच हिंद महासागर में साथ आए भारत और मालदीव

माले (एजेंसी)। समुद्री सुरक्षा और पारस्परिकता बढ़ाने एवं हिंद महासागर क्षेत्र में उभर रही चुनौतियों की पहचान करने के लिए भारतीय तटरक्षक बल, मालदीव और श्रीलंका के जवान चार दिवसीय त्रिपक्षीय अभ्यास कर रहे हैं। मालूम हो कि भारत और मालदीव के बीच पिछले कई महीनों से तनावपूर्ण हालात हैं। भारतीय तटरक्षक बल का पोत समर्थ और आईसीजीएस अभिनव के साथ श्रीलंकाई नौसेना का पोत समुद्र बृहस्पतिवार को दोस्ती-16 युद्धाभ्यास के लिए यहां पहुंचे। युद्धाभ्यास 22 फरवरी से 25 फरवरी तक चलेगा और बांग्लादेश इसमें पर्यवेक्षक के तौर पर शामिल हो रहा है।

शुभेंदु अधिकारी बोले- सिख ऑफीसर को खालिस्तानी नहीं कहा

- वीडियो में मेरी आवाज मैन्युफैक्चर्ड, ममता ने आरोप लगाते हुए वीडियो शेयर किया था

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा और पश्चिम बंगाल में विपक्ष के नेता शुभेंदु अधिकारी ने शनिवार को सिख आईपीएस ऑफीसर जसप्रीत सिंह को खालिस्तानी कहने से इनकार कर दिया। शुभेंदु का कहना कि संदेशखाली घटना के वायरल वीडियो में उनकी आवाज और तस्वीर एआई से बनाई गई है। दरअसल, मंगलवार को शुभेंदुअधिकारी और पार्टी नेताओं को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली में प्रवेश से रोक दिया गया था।

यूपी के कासगंज में बड़ा हादसा, 24 लोगों की मौत

ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटी, कुल 54 लोग थे सवार

कासगंज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के कासगंज में शनिवार को बड़ा हादसा हो गया है। यहां एक ट्रैक्टर-ट्रॉली तालाब में पलटने से अब तक 24 लोगों की मौत हो गई। ट्रॉली में 54 लोग

- इनमें ज्यादातर महिलाएं-बच्चे, गंगा स्नान को जा रहे थे

सवार थे। फिलहाल, मौके पर बुलडोजर से रेस्क्यू किया जा रहा है। मरने वालों की संख्या बढ़ सकती है। बताया जा रहा है कि सभी लोग एटा के जैथरा के रहने वाले हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, हादसा स्पीड की वजह से हुआ। ड्राइवर के कंट्रोल खोने से ट्रैक्टर सड़क से उतरकर तालाब में जा गिरा।

ये लोग माघी पूर्णिमा पर ट्रैक्टर-ट्रॉली से कासगंज स्थित कादरगंज घाट पर गंगा स्नान करने जा रहे थे, तभी रियावगंज पटियाली मार्ग पर गढ़ई गांव के पास हादसा हुआ। चीखने-चिल्लाने की आवाज सुनकर आस-पास के लोग पहुंचे। देखते-देखते बड़ी संख्या में लोग जुट गए। डीएम ने अब तक 15 लोगों की मौत की पुष्टि की है। वहीं, 24 लोगों की मौत के बाद जैथरा गांव में सन्नाटा पसरा हुआ है। गांव के लोग उनके घरों में पहुंच गए हैं, जिनके यहां किसी की मौत हुई है। खुशी वाले गांव में रोने की आवाजें सुनाई दे रही हैं। तालाब से 22 शवों को निकाला गया है। जिसमें कसा गांव की शकुंतला पत्नी वीरपाल, शिवानी पत्नी राजेश, गायत्री पत्नी रजनेश, उमा देवी पत्नी शिवम, रामबेटी पत्नी खुन्नूलाल, रामलता पत्नी रनवीर, सपना पत्नी गौरव, जविता पत्नी संदीप, कुलदीप पुत्र मुकेश, कार्तिक पुत्र राजेश, अंशुली पुत्री राजेश, देवांशु पुत्र भूरे और अवनेश पुत्र राजेंद्र शामिल हैं। इनके शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा गया है। ट्रॉली में सवार लोगों में कसा गांव के शिवम, उमा देवी, आर्यन, अंजलि, अनुभव, रजनी, रानी, कुंवरपाल, दीक्षा, मंडल, प्रांशु, गायत्री देवी, सतेंद्र सिंह, पुष्पा देवी, गौरव, बिट्टू पुत्र गौरव-बेटी सपना, शकुंतला देवी, मीरा देवी, दीक्षा अवनेश, दर्शनपाल, लक्ष्मी देवी, रूबी, अनमोल, देवांशु, महेंद्र पाल, शिवानी, रौरी गांव के राहुल, अंजली, सनी। बरार गांव के नेकराम और एक अज्ञात लड़का। खिरिया गांव के साहब सिंह और देवेंद्र सिंह थे। 5 अज्ञात भी हैं।

सीएम योगी का ऐलान, यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा रद्द

- 6 महीने के भीतर होगा दोबारा एग्जाम, दोषी बख्शे नहीं जाएंगे

लखनऊ (एजेंसी)। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही छह महीने के भीतर दोबारा एग्जाम करवाने का भी फैसला किया है। सीएम योगी ने

युवाओं के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 रद्द कर दी है। इसके अलावा समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा - 2023 की भी जांच कराने की बात कही है। सीएम योगी ने कहा कि छह माह के भीतर ही पूर्ण शुचिता के साथ आयोजित होगी परीक्षा। उन्होंने आगे कहा, युवाओं की मेहनत और परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी।

पीएम मोदी ने सबसे बड़ी खाद्यान्न भंडारण योजना को किया लॉन्च

देशभर में अनाज स्टोरेज बनाए, 11 राज्यों में 11 एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी बनकर तैयार

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री मोदी ने 24 फरवरी को सहकार से समृद्धि कार्यक्रम के तहत दुनिया की सबसे बड़ी सहकारी अनाज भंडारण योजना के पायलट प्रोजेक्ट का उद्घाटन किया। इस स्कीम के तहत देशभर में अनाज स्टोरेज बनाए गए हैं। इसे 11 राज्यों की 11 प्राइमरी एग्रीकल्चर क्रेडिट सोसाइटी में संचालित किया जा रहा है। इस पहल के तहत प्रधानमंत्री ने गोदामों और कृषि से जुड़ी अन्य बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए देशभर में अतिरिक्त 500 गोदामों की आधारशिला भी रखी। ये कार्यक्रम दिल्ली में भारत मंडपम में आयोजित किया गया था। इसका मकसद गोदामों को खाद्यान्न आपूर्ति श्रृंखला के साथ निर्बाध रूप से एकीकृत करना और खाद्य सुरक्षा को मजबूत बनाना। प्रधानमंत्री देश भर में 18 हजार में कम्प्यूटरीकरण के लिए परियोजना का उद्घाटन भी करेंगे। केंद्र ने इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 2,500 करोड़ रुपए के बजट की मंजूरी दी है। इस परियोजना का उद्देश्य इसको नाबार्ड के साथ जोड़कर उनकी संचालन करना है। इस तरह करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को लाभ होगा। नाबार्ड ने इस परियोजना के लिए राष्ट्रीय स्तर का कॉमन सॉफ्टवेयर विकसित किया है,

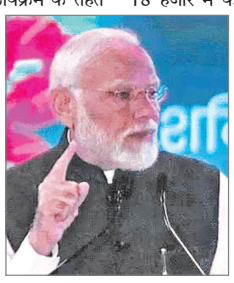

जो देश भर में पीएसीएस की कई आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए तैयार किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 20 फरवरी को जम्मू का दौरा किया था। उन्होंने यहां अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान का उद्घाटन किया।

अंग्रेजों के जमाने की आईपीसी नहीं, अब भारतीय न्याय संहिता

- एक जुलाई से लागू होंगे 3 नए क्रिमिनल लॉ; 420 नहीं 316 कहलाएंगे धोखेबाज

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन नए आपराधिक कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो जाएंगे। सरकार ने शनिवार को इससे जुड़ी अधिसूचना जारी कर दी है। यानी अब इंडियन पीनल कोड की जगह भारतीय न्याय संहिता, क्रिमिनल

प्रोसीजर कोड की जगह भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और एविडेंस एक्ट की जगह भारतीय साक्ष्य अधिनियम लागू हो जाएगा। नए कानून के लागू होने के बाद जो धाराएं अपराध की पहचान बन चुकी थीं, उनमें भी बदलाव होगा। जैसे हत्या के लिए लगाई जाने वाली आईपीसी की धारा 302 अब धारा 101 कहलाएगी। ठगी के लिए लगाई जाने वाली धारा 420 अब धारा 316 होगी। हत्या के प्रयास के लिए लगाई जाने वाली धारा 307 अब धारा 109 कहलाएगी।

दिल्ली में 4 सीटों पर एएपी 3 सीट पर कांग्रेस लड़ेगी

हरियाणा-गुजरात-गोवा-चंडीगढ़ में भी गठबंधन, पंजाब में दोनों अलग-अलग चुनाव लड़ेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा चुनाव के लिए आम आदमी पार्टी और कांग्रेस के बीच लोकसभा सीटों का बंटवारा शनिवार को फाइनल हो गया। दिल्ली में आम आदमी पार्टी 4 और कांग्रेस 3 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। गुजरात की 26, हरियाणा की 10, गोवा की 2 और चंडीगढ़ सीट के लिए भी शेयरिंग फॉर्मूला फाइनल हो गया है। कांग्रेस नेता मुकुल वासनिक और एएपी लीडर संदीप पाठक ने शनिवार को जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि पंजाब में दोनों पार्टियां अलग-अलग चुनाव लड़ेंगी। गुजरात की भरूच कांग्रेस ने आप को दे दी। इसको लेकर अहमद पटेल की बेटी मुमताज ने एक्स पर लिखा- जिले के कार्यकर्ताओं से माफी चाहती हूं कि गठबंधन में हम भरूच सीट को अपने लिए नहीं रख पाए। इसका मुझे खेद है। हम अहमद पटेल को नहीं भूलेंगे। केजरीवाल ने जनवरी में गुजरात यात्रा के दौरान राज्य की भरूच लोकसभा सीट पर चैतर वसावा को अपना उम्मीदवार घोषित कर दिया था। भरूच सीट से कांग्रेस के नेता अहमद पटेल सांसद थे। उनका 2020 में निधन हो चुका है।

राहुल गांधी, सिद्धा और डीके के खिलाफ समन

40 फीसदी कमीशन वाले बयान पर हुआ ऐक्शन

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया, उनके डिप्टी डीके शिवकुमार और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ कोर्ट की तरफ से सम्मन जारी किया गया है। यह सम्मन इनके द्वारा पूर्व की भाजपा सरकार पर '40 फीसदी कमीशन' का आरोप लगाने को लेकर जारी किया गया है। पिछले साल विधानसभा चुनाव के दौरान कांग्रेस ने तत्कालीन भाजपा सरकार के खिलाफ एक खास अभियान चलाया था। इसके तहत उन्होंने पेसीएम के पोस्टर्स लगाए थे, जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई की तस्वीर लगी हुई थी। पोस्टरों पर लगा क्यूआर कोड यूजर्स को '40 प्रतिशत सरकार' वेबसाइट पर ले गया।

संदेशखाली मामला

भीड़ ने टीएमसी नेता को पीटा, घर में की तोड़फोड़

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना स्थित संदेशखाली में महिलाओं के

यौन शोषण का मामला गरमाया हुआ है। शुक्रवार 23 फरवरी को भीड़ ने टीएमसी नेता अजित मैती के घर पर हमला कर दिया। इस दौरान गुस्साए लोगों ने उसे चप्पलों से पीटा। इसके अलावा लोगों ने उनकी बाइक और उनके घर की बाड़ का हिस्सा तोड़ दिया। आरोप है कि अजित मैती अवैध जमीन हड़पने में शामिल था और शाहजहां शेख के साथ मिला हुआ था। हमले की सूचना मिलने के पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को शांत कराया। इधर, संदेशखाली में ही गुस्साए स्थानीय लोगों ने शेख शाहजहां शेख के भाई के घर में आग लगा दी। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि

- महिलाओं के शोषण का आरोपी शाहजहां 555 दिन से फरार, 100 केस दर्ज

शेख शाहजहां के भाई शिराजुद्दीन ने उनकी 142 बीघा जमीन हड़प ली है। यहां पर भी मौके पर पहुंचकर पुलिस ने मामला शांत करवाया। फिलहाल संदेशखाली के दो थाना क्षेत्रों में धारा 144 लागू कर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

यूपी में राहुल की न्याय यात्रा, पहली बार प्रियंका जुड़ीं

मुरादाबाद (एजेंसी)। यूपी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दूसरे चरण में मुरादाबाद के बाद अमरोहा पहुंची। आज राहुल के साथ प्रियंका गांधी मुरादाबाद से फतेहपुर सीकरी तक यात्रा कर रही हैं। मुरादाबाद में राहुल ने लोगों से पूछा, मुझे बताओ हिंदुस्तान के एयरपोर्ट किसके नाम पर हैं। हिंदुस्तान के बड़े-बड़े इन्फ्रास्ट्रक्चर किसको दिए जाते हैं। हिंदुस्तान के पॉवर प्लांट किसके हाथ में हैं। सरकार आपकी जेब काटने का काम करती है। दरअसल, 21 फरवरी को कानपुर पहुंचने के बाद यात्रा रुक गई थी। 2 दिन के ब्रेक के बाद यात्रा शनिवार 24 फरवरी को मुरादाबाद से फिर शुरू हुई। अमरोहा, संभल, बुलंदशहर, अलीगढ़, हाथरस से होकर यात्रा आगरा पहुंचेगी। यहां अखिलेश यादव यात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद राजस्थान में एंट्री करेगी। न्याय यात्रा के दौरान अमरोहा में एक लापरवाही भी सामने आई। यहां प्रशासन ने संत रविदास शोभा यात्रा की अनुमति, न्याय यात्रा के रूट पर दे दी। दोनों यात्रा एक साथ एक ही रूट पर आ गई।

- मुरादाबाद में कांग्रेस सांसद बोले- सरकार आपकी जेब काट रही; कार्यकर्ताओं में धक्का-मुक्की भी हुई

शोभा यात्रा निकाल रहे भाजपा नेता की एसपी से हुई तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में पुलिस अफसरों ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों को समझाकर शांत कराया। न्याय यात्रा के दौरान अमरोहा में एक लापरवाही भी सामने आई। यहां प्रशासन ने संत रविदास शोभा यात्रा की अनुमति, न्याय यात्रा के रूट पर दे दी। दोनों यात्रा एक साथ एक ही रूट पर आ गई। शोभा यात्रा निकाल रहे भाजपा नेता की एसपी से हुई तीखी नोकझोंक भी हुई। बाद में पुलिस अफसरों ने शोभा यात्रा में शामिल लोगों को समझाकर मामला शांत कराया। अमरोहा में कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा,हर जगह पत्रकार पूछते हैं कि न्याय यात्रा क्यों निकाली जा रही है। आज जवाब मिला है। न्याय यात्रा के दबाव में ही पुलिस भर्ती परीक्षा रद हुई है। यूपी में भर्ती परीक्षा होने से पहले पेपर लीक हो जाता है। पुलिस भर्ती परीक्षा एक उदाहरण है। पेपर लीक मामलों में यूपी पहले नंबर पर है। प्रेस वार्ता के दौरान प्रदेश अध्यक्ष अजय राय मौजूद थे।

अमित शाह रविवार को मध्यप्रदेश की यात्रा पर रहेंगे

भोपाल। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 25 फरवरी को एक दिवसीय मध्यप्रदेश यात्रा के दौरान भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की लोकसभा चुनाव संबंधी तैयारियों के मद्देनजर बैठकें करेंगे। आधिकारिक सूत्रों के अनुसार श्री शाह रविवार सुबह दिल्ली से विशेष विमान से रवाना होकर ग्वालियर पहुंचेंगे। श्री शाह ग्वालियर में ग्वालियर और चंबल क्लस्टर की प्रबंध समिति की बैठक को संबोधित कर लोकसभा चुनाव संबंधी आवश्यक दिशानिर्देश पार्टी नेताओं को देंगे। इसके बाद श्री शाह खजुराहो पहुंचकर वहां पर लोकसभा बूथ समिति सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। सूत्रों ने कहा कि श्री शाह इस बैठक के बाद विशेष विमान से भोपाल आएंगे। वे भोपाल में कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित वृहद प्रबुद्धजन सम्मेलन में शामिल होंगे और अपना संबोधन देंगे। इसके बाद वे विशेष विमान से वापस रवाना हो जाएंगे। मध्यप्रदेश में भाजपा ने इस बार सभी 29 सीटों पर पार्टी का परचम लहराने का लक्ष्य रखा है। पिछले चुनाव में उसने छिंदवाड़ा को छोड़कर शेष 28 सीटों पर विजय हासिल की थी।

असम सरकार ने मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को रद्द किया

गुवाहाटी। असम सरकार ने राज्य में निवासरत मुस्लिम नागरिकों के विवाह और तलाक के पंजीकरण से जुड़े 89 साल पुराने कानून को रद्द करने का निर्णय लिया है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा की अध्यक्षता में दिसपुर के लोक सेवा भवन में शुक्रवार को आयोजित कैबिनेट की बैठक में यह निर्णय लिया गया। श्री सरमा ने एक्स पर अपने पोस्ट में लिखा, 'पुराने अधिनियम में विवाह पंजीकरण की अनुमति देने वाले प्रावधान शामिल थे, जिसमें भले ही युवक-युवती विवाह के लिए 18 और 21 वर्ष की कानूनी उम्र तक नहीं पहुंचे हों। यह कदम असम में बाल विवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।' उन्होंने आगे कहा कि जिला आयुक्तों और जिला रजिस्ट्रारों को वर्तमान में 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रारों के पंजीकरण रिकॉर्ड को पंजीकरण महानिरीक्षक के समग्र पर्यवेक्षण, मार्गदर्शन और नियंत्रण में अपने कब्जे में लिये जाने के लिए अधिकृत किया जायेगा।' कैबिनेट ने राज्य के चार जिलों कछार, करीमगंज, हैलाकांडी और होजई में मणिपुरी को एक सहयोगी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता देने के लिए असम राजभाषा (संशोधन) विधेयक, 2024 को मंजूरी दे दी। कैबिनेट ने शहरी महिला उद्यमियों के रूप में महिला स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) के सदस्यों को बढ़ावा देने के लिए असम राज्य शहरी आजीविका मिशन सोसाइटी द्वारा चरणों में लागू किए जाने वाले मुख्यमंत्री महिला उद्यमिता अभियान-नोगोरिया के दिशानिर्देशों को भी मंजूरी दी है। इसके साथ ही कैबिनेट ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए कुल आवंटित बजट में से असम इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंसिंग अथॉरिटी (एआईएफए) के तहत बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए 274 करोड़ रुपये मंजूर किये हैं।

दिवंगत दिगम्बर विद्यासागर महाराज का विनयांजलि कार्यक्रम रविवार को

अजमेर। सकल दिगम्बर जैन समाज एवं जैनेतर समाज की ओर से दिवंगत दिगम्बर संत 108 विद्यासागर महाराज विनयांजलि कार्यक्रम रविवार को यहां होगा। अजमेर सकल दिगम्बर जैन समाज से जुड़े विजय जैन ने बताया कि विनयांजलि कार्यक्रम दोपहर एक से दो बजे के मध्य केसरगंज गोलचक्कर स्थित आदिनाथ मार्ग पर आयोजित होगा। उन्होंने बताया कि रविवार को पूरे देश में एक ही समय पर विनयांजलि कार्यक्रम आयोजित किये जा रहे हैं। लेकिन अजमेर में इसका महत्व इसलिए बढ़ जाता है कि कर्नाटक मूल के विद्यासागर जी ने वर्ष 1968 में अपने गुरु आचार्य ज्ञानसागर जी महाराज से दीक्षा ली। यह दीक्षा वर्तमान में अजमेर के महावीर सर्किल के नजदीक तब पार्श्वनाथ कालोनी मैदान पर हुई थी। उल्लेखनीय है कि दिगम्बर आचार्य विद्यासागर जी महाराज का 18 फरवरी को छत्तीसगढ़ के डोंगरगढ़ तीर्थ क्षेत्र पर समाधि हुई थी।

केरल में कुत्ते की हत्या के आरोप में एक व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज

इडुक्की (केरल)। केरल के इडुक्की जिले में एक व्यक्ति के खिलाफ पारिवारिक विवाद के दौरान अपने रिश्तेदार के कुत्ते की हत्या करने का मामला दर्ज किया गया है। पुलिस ने बताया कि गुस्से में आकर आरोपी ने छोटे कुत्ते को अपने हाथ में लेकर उसे फर्श पर पटक दिया जिससे उसकी मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार को यहां नेदुमकंदम के पास हुई। कंबुम्मेट्टु पुलिस के अनुसार, आरोपी राजेश की पड़ोस में रहने वाले अपने एक रिश्तेदार के साथ तीखी नोकझोंक हुई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने कहा, 'आरोपी और पड़ोस में रहने वाले उसके रिश्तेदार के बीच कुछ पारिवारिक संपत्ति को लेकर लंबे समय से विवाद था। दोनों के बीच तीखी बहस के बीच, रिश्तेदार के पालतू कुत्ते ने राजेश को काट लिया।' अधिकारी बताया, 'इससे वह व्यक्ति क्रोधित हो गया और उसने पोमेरेनियन नस्ल के कुत्ते को अपने हाथों में लेकर उसे फर्श पर पटक दिया, जिसके चलते उसकी मौत हो गई।' पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 428 (जानबूझकर पशुओं को नुकसान पहुंचाना या मारना) और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

असम कैबिनेट ने मुसलमानों में बाल विवाह रोकने के लिए अधिनियम को निरस्त करने की मंजूरी दी

गुवाहाटी। असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है। राज्य के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, 'इस अधिनियम में ऐसी स्थिति में भी विवाह पंजीकरण की अनुमति दिए जाने के प्रावधान शामिल हैं, जब वर की आयु 21 वर्ष और वधु की आयु 18 वर्ष न हो, जो कि विवाह के लिए वैध आयु होती है। यह कदम (कानून को निरस्त किया जाना) राज्य में बाल विवाह पर रोक लगाने की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम है।' कानून को निरस्त किए जाने पर जिला आयुक्तों और जिला रजिस्ट्रार को इस समय 94 मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार के पास मौजूद 'पंजीकरण रिकॉर्ड को अपने संरक्षण' में लेने के लिए अधिकृत किया जाएगा। असम पंजीकरण महानिरीक्षक के समग्र पर्यवेक्षण और नियंत्रण के तहत ऐसा किया जाएगा। अधिनियम निरस्त होने के बाद मुस्लिम विवाह रजिस्ट्रार को उनके पुनर्वास के लिए दो लाख रुपये का एकमुश्त मुआवजा प्रदान किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि अधिनियम को निरस्त करने का निर्णय शुक्रवार को देर रात कैबिनेट की बैठक में लिया गया। यह असम के तत्कालीन प्रांत के लिए स्वतंत्रता से पहले लागू किया गया एक पुराना अधिनियम था जिसे ब्रिटिश शासनकाल में लागू किया गया था। उन्होंने कहा कि अधिनियम के अनुसार, विवाह और तलाक का पंजीकरण कराना अनिवार्य नहीं है और पंजीकरण का तंत्र अनौपचारिक है, जिससे मौजूदा मानदंडों का अनुपालन न करने की काफी गुंजाइश रहती है। बैठक में जिक्र किया गया कि अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार, पुरुषों के लिए 21 वर्ष से कम और महिलाओं के लिए 18 वर्ष से कम उम्र के इच्छुक व्यक्तियों के विवाह को पंजीकृत करने की गुंजाइश बनी रहती है और अधिनियम के कार्यान्वयन की निगरानी बमुश्किल ही संभव है। मुख्यमंत्री ने पहले कहा था कि राज्य सरकार बहुविवाह को समाप्त करने के लिए एक विधेयक लाने की योजना बना रही है।

प्रयागराज में माघी पूर्णिमा पर 18.60 लाख लोगों ने गंगा में डुबकी लगाई

प्रयागराज। संगम नगरी में माघ मेले के पंचम स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर शनिवार को 'हर हर गंगे' के उद्घोष के बीच सुबह 10 बजे तक लगभग 18.60 लाख लोगों ने गंगा और संगम में आस्था की डुबकी लगाई। माघ मेला प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि सुबह से ही बादल छाए रहने और मौसम ठंडा रहने के बावजूद शनिवार सुबह 10 बजे तक करीब 18 लाख 60 हजार लोगों ने गंगा और संगम में स्नान किया। तड़के से ही श्रद्धालुओं का माघ मेला क्षेत्र में आना जारी रहा जिसमें महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग शामिल थे। उन्होंने बताया कि श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए घाटों की लंबाई 6800 फुट से बढ़ाकर 8000 फुट की गई और कुल 12 घाट बनाए गए। पुलिस उप महानिरीक्षक (माघ मेला) राजीव नारायण मिश्र ने बताया कि मेला क्षेत्र में सुरक्षा के व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं और पूरे मेला क्षेत्र में 300 से अधिक सीसीटीवी कैमरे और कृत्रिम मेधा (एआई) आधारित कैमरे लगाए गए हैं।

पीएमके से गठबंधन की कवायद में जुटी एआईएडीएमके

-आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने की तैयारी करते हुए अन्नाद्रमुक अपनी ताकत बढ़ाने की कोशिश में हुटी है। यही कारण है कि पार्टी अपने पूर्व सहयोगी पीएमके के साथ गहन बातचीत कर रही है। बताया जा रहा है कि अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के पलानीस्वामी आगामी लोकसभा चुनावों के लिए एक मजबूत गठबंधन बनाने के इच्छुक हैं। पीएमके अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय मंत्री अंबुमणि रामदास के धर्मपुरी संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने की संभावना है, क्योंकि उनका राज्यसभा कार्यकाल अगले साल समाप्त हो रहा है। इस संबंध में वरिष्ठ नेताओं ने बताया कि बातचीत अच्छी तरह से आगे बढ़ रही है और दोनों पक्ष अच्छे नतीजे को लेकर सकारात्मक हैं। इस बीच, माना जाता है कि भाजपा ने भी एक पैकेज की पेशकश की है जिसमें 12 लोकसभा सीटें, दो राज्यसभा सीटें और पीएमके के लिए एक कैबिनेट बर्थ शामिल है।

वहीं अन्नाद्रमुक के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि बातचीत समाप्त नहीं हुई है और अब तक की बातचीत दोनों पक्षों के लिए सकारात्मक रही है। पीएमके कैडर और पदाधिकारी अन्नाद्रमुक और पीएमके को गठबंधन करते हुए देखने के इच्छुक हैं। पीएमके के तीन विधायकों, सदाशिवम (मेट्टूर), सी शिवकुमार (मैलम), एसपी वेंकटेश्वरन (धर्मपुरी) ने ग्रीनवेज रोड पर अपने पड़ोसी और सामाजिक कल्याण मंत्री पी गीता जीवन से मिलने के बाद पलानीस्वामी के आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इससे पहले, अन्नाद्रमुक नेतृत्व ने पूर्व अन्नाद्रमुक मंत्री और आरएस सांसद सी वे शनमुगम को विल्लुपुरम जिले में पीएमके संस्थापक रामदास के थाइलापुरम आवास पर तैनात करके बातचीत शुरू की थी।

मिली जानकारी के अनुसार पीएमके के एक विधायक ने हाल ही में पीएमके नेतृत्व के दूत के रूप में पलानीस्वामी से चार बार मुलाकात की। दोनों पक्षों के बीच शुरू में बातचीत सीटों की संख्या पर पहुंचने के फॉर्मूले के इर्द-गिर्द घूम रही थी। अगर यह अन्नाद्रमुक के साथ समझौता करती है, तो पार्टी निश्चित रूप से धर्मपुरी के अलावा, आरक्षित सीट चिदंबरम और कुड्डालोर से चुनाव लड़ेगी।

रामंदिर बनने से नेपाल-भारत के रिश्ते और होंगे मजबूत : सऊद

अयोध्या। नेपाल के विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कहा है कि जनकपुर से अयोध्या और पशुपतिनाथ से काशी के बीच धार्मिक, सांस्कृतिक और पर्यटन को बढ़ावा देने का प्रयास किया जा रहा है। शनिवार को नेपाल विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद परिवार के साथ दिल्ली से महर्षि वाल्मीकि अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पहुंचे जहां उनका प्रशासनिक अधिकारियों ने स्वागत किया। दो दिवसीय प्रवास के दौरान वह रविवार को हनुमान गढ़ी और रामलला का दर्शन पूजन करेंगे। रविवार को ही सड़क मार्ग से वापस नेपाल की रवाना होंगे। विदेश मंत्री नारायण प्रसाद सऊद ने कहा कि अयोध्या में राम मंदिर बहुत ही महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल है। जनकपुर अयोध्या के साथ-साथ नेपाल के पशुपतिनाथ व बनारस के बाबा विश्वनाथ के साथ भी हम सांस्कृतिक संबंध बढ़ाने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल के बीच बहुत ही गहरा सांस्कृतिक संबंध रहा है, दोनों सरकार के बीच में ही नहीं जनता के बीच में भी उतना ही गहरा संबंध रहा है। उन्होंने कहा भगवान राम की शादी माता जानकी से जनकपुर के राम जानकी मंदिर में हुई थी, इसलिए हमारे बीच जो गहरा संबंध है वह सांस्कृतिक रूप से भी बहुत महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि उसको और मजबूत करने के लिए प्रयत्नशील है। हम लोग धार्मिक पर्यटन को भी बढ़ावा दे रहे हैं, अयोध्या और जनकपुर के बीच संबंध और अच्छा हो इसके लिए हम लोग कोशिश कर रहे हैं। काशी और पशुपतिनाथ विश्वनाथ बाबा के बीच का भी संबंध बढ़ा रहे हैं और धार्मिक पर्यटन को भी प्रोत्साहित करने का प्रयास कर रहे हैं।

दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन सीटों पर लड़ेगी चुनाव, भरूच आप के खाते में

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस और आम आदमी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव के लिए शनिवार को सीट बंटवारे की घोषणा की जिसके तहत दिल्ली में आप चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने यह जानकारी दी।

इसके साथ ही आम आदमी पार्टी गुजरात की भरूच और भावनगर सीट तथा हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट पर भी चुनाव लड़ेगी। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता मुकुल वासनिक ने आम आदमी पार्टी के नेता संदीप पाठक, सौरव भारद्वाज और अतिशी के साथ संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में सीट बंटवारे की घोषणा की।

उन्होंने कहा कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी चार और कांग्रेस तीन सीटों पर चुनाव लड़ेगी। आप दक्षिणी दिल्ली, पश्चिमी दिल्ली, पूर्वी दिल्ली और नई दिल्ली लोकसभा सीट पर उम्मीदवार उतारेगी, जबकि कांग्रेस चांदनी चौक, उत्तर पश्चिम दिल्ली और उत्तर पूर्वी दिल्ली सीट पर चुनाव लड़ेगी।

राष्ट्रीय राजधानी में सात लोकसभा सीट हैं। पिछले लोकसभा चुनाव में सभी सीट भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जीती थीं।

वासनिक ने कहा कि आम आदमी पार्टी गुजरात में भरूच और भावनगर लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी तथा हरियाणा की कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट भी आम आदमी पार्टी को दी गई है। उन्होंने कहा कि चंडीगढ़ लोकसभा सीट को लेकर लंबी चर्चा की गई और आखिर में फैसला हुआ कि यहां से कांग्रेस अपना उम्मीदवार उतारेगी।

भरूच को लेकर पिछले कुछ दिनों से दोनों दलों के बीच पेंच फंसा हुआ था क्योंकि कांग्रेस के दिग्गज नेता रहे अहमद पटेल के पुत्र फैसल पटेल और पुत्री मुमताज पटेल यह सीट आम आदमी पार्टी को दिए जाने का विरोध कर रहे थे। इस सीट पर फैसल और उनकी बहन मुमताज कांग्रेस की तरफ से टिकट के दावेदार माने जा रहे थे।

आप अपने विधायक चैतर वसावा को भरूच लोकसभा सीट से पहले ही उम्मीदवार घोषित कर चुकी है। कांग्रेस और आप ने पंजाब में अलग-अलग चुनाव लड़ने का फैसला किया है। लोकसभा चुनाव अप्रैल-मई में प्रस्तावित है।

समाधान का हवाला देकर जयंत चौधरी ने की किसानों से धैर्य की अपील

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राष्ट्रीय लोक दल के प्रमुख जयंत चौधरी ने किसानों से धैर्य धारण करने की अपील की है। उन्होंने न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे किसानों से कहा कि समाधान जरूर निकलेगा। जयंत चौधरी ने पंजाब और हरियाणा की खनौरी सीमा पर किसान-पुलिस झड़प के दौरान बुधवार को एक युवा किसान की मौत पर दुख व्यक्त करते हुए दोनों पक्षों से संयम बरतने की अपील की। उन्होंने कहा कि किसान धैर्य से काम लें, समाधान जरूर निकलेगा। हिंसा किसी भी रूप में स्वीकार्य नहीं है। अमरोहा में मौजूद चौधरी ने हाकमपुर ग्राम प्रधान विशाल और 24 दिसंबर को सड़क दुर्घटना में मारे गए राजन और मनोज के परिजनों से उनके घर जाकर मुलाकात की और उन्हें सांत्वना दी। बता दें कि चौधरी, जो हाल तक इंडिया गुट में सहयोगी थे, ने अपने पिता, पूर्व प्रधान मंत्री चौधरी चरण सिंह को भारत रत्न की घोषणा के मद्देनजर समूह छोड़ दिया। अपनी यात्रा के दौरान उन्होंने

अन्य दलों के साथ लोकसभा चुनाव के लिए सीट बंटवारे और कश्मीर के पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक के घर पर सीबीआई छापे पर सवालों के जवाब देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि यह कोई राजनीतिक यात्रा नहीं है। बता दें कि किसान नेताओं ने शुक्रवार को कहा कि वह अपने 'दिल्ली चलो' आंदोलन को लेकर अगले कदम के बारे में 29 फरवरी को फैसला करेंगे। उन्होंने घोषणा की कि शनिवार को 'कैंडल मार्च' निकाला जाएगा और उसके दो दिन बाद वे केंद्र का पुतला भी जलाएंगे।

मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे : एसटी हसन

दिसपुर (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने कहा है कि मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। उन्होंने यह बात

असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम को निरस्त करने की असम सरकार की मंजूरी पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कही है। समाजवादी पार्टी के सांसद एसटी हसन ने शनिवार को कहा कि मुसलमान केवल शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। उन्होंने कहा कि इस बात को इतना उजागर करने की जरूरत नहीं है। मुसलमान शरीयत और कुरान का पालन करेंगे। सरकार जितने चाहें उतने अधिनियमों का मसौदा तैयार कर सकती हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक धर्म के अपने रीति-रिवाज होते हैं। इनका पालन हजारों वर्षों से किया जा रहा है, अब भी उनका पालन किया जाता रहेगा। वहीं कांग्रेस नेता अब्दुर रशीद मंडल ने इसे भेदभावपूर्ण निर्णय बताया। उन्होंने कहा कि सरकार यूसीसी और बहुविवाह पर प्रतिबंध लगाने की बात कर रही थी लेकिन अज्ञात कारणों से वे ऐसा करने में विफल रहने पर चुनाव से ठीक पहले, वे कुछ क्षेत्रों में मुसलमानों को वंचित और भेदभाव करके हिंदू मतदाताओं को भाजपा के पक्ष में ध्रुवीकृत करने की कोशिश कर रहे हैं, जैसे इस अधिनियम को रद्द करना और यह कहना कि यह स्वतंत्रता-पूर्व का अधिनियम है। इसमें बाल विवाह का भी हवाला दिया जा रहा है। इस बीच, एआईयूडीएफ विधायक हाफिज रफीकुल इस्लाम ने कहा कि हिमंत बिस्वा सरमा के नेतृत्व वाली असम सरकार में उत्तराखंड की तर्ज पर राज्य में समान नागरिक संहिता लाने की हिम्मत नहीं है।

उन्होंने कहा कि इस सरकार ऐसा नहीं कर सकती वे उत्तराखंड में जो लाए, वह यूसीसी भी नहीं है। वे असम में भी यूसीसी लाने की कोशिश कर रहे थे। लेकिन मुझे लगता है कि वे इसे असम में नहीं ला सकते क्योंकि यहां कई जातियों और समुदायों के लोग हैं। भाजपा अनुयायी स्वयं यहां उन प्रथाओं का पालन करते हैं। बता दें कि असम मंत्रिमंडल ने बाल विवाह को समाप्त करने के लिए असम मुस्लिम विवाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को रद्द करने की मंजूरी दे दी है।

ममता बनर्जी को कांग्रेस ने पहली बार सांसद बनाया : जयराम

-बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने पर कांग्रेस ने टीएमसी को दिलाई याद

नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा है ?कि कांग्रेस ने ही ममता बनर्जी को पहली बार सांसद बनाया था। यह बयान उन्होंने टीएमसी के लोकसभा में अकेले चुनाव लड़ने के बाद दिया। यहां गौरतलब है कि बंगाल में ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस ने अकेले ही सभी सीटों पर चुनाव लड़ने का एलान किया है। इस बीच कांग्रेस महासचिव संचाव प्रभारी जयराम रमेश ने यह बयान दिया है। दरअसल, लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन को एक बार फिर पटरी पर लाने की कोशिशें तेज हो गई हैं। लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ कांग्रेस को अखिलेश यादव और अरविंद केजरीवाल का साथ मिल चुका है, जिसके बाद उनका फोकस अब ममता बनर्जी पर है। हालांकि सीट शेयरिंग को लेकर पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी की पार्टी टीएमसी से नए सिरे से बात शुरू की है।

टीएमसी के साथ सीट बंटवारे पर कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी, जयराम रमेश ने कहा, इस पर चर्चा चल रही है। हमारे दरवाजे टीएमसी के लिए हमेशा खुले हैं। ममता बनर्जी और टीएमसी ने कहा है कि वे इंडिया गठबंधन को मजबूत करना चाहते हैं और सबसे बड़ा मकसद बीजेपी को हराना है। दोनों पार्टियों के बीच तीखी बहस होती रहती है, लेकिन हम ममता बनर्जी का सम्मान करते हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने हमेशा उन्हें सम्मान दिया है। कांग्रेस ने ही उन्हें सांसद बनाया और कांग्रेस के साथ ही वह काफी आगे बढ़ी हैं। कुछ निजी कारणों से उन्होंने पार्टी छोड़ दी, लेकिन आज भी उनकी पार्टी का नाम तृणमूल कांग्रेस है।

इधर टीएमसी नेता डेरेक ओ ब्रायन ने कहा कि कुछ हफ्ते पहले, टीएमसी चीफ और पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि टीएमसी बंगाल की सभी 42 सीटों पर चुनाव लड़ रही है। हम असम की कुछ सीटों और मेघालय की तुरा लोकसभा सीट पर भी अपने उम्मीदवार चुनावी मैदान में उतारेंगे। इससे पहले ममता बनर्जी ने बंगाल की 42 सीटों पर एकला चलो रे का मैसेज देते हुए अकेले चुनाव लड़ने का संकेत दिया था।

मणिपुर पुलिस ने स्थानांतरित कर्मियों को लेकर लिया अहम फैसला

इंफाल। मणिपुर पुलिस ने मौजूदा संकट को देखकर जहां तक संभव हो स्थानांतरित कर्मियों को एक जगह से दूसरी जगह भेजने पर का फैसला जरूरत के आधार पर होगा। उन्होंने कहा कि स्थानांतरण आदेश प्रभावी रहेगा, लेकिन आवश्यकता के अनुसार ही कर्मियों को स्थानांतरित किया जाएगा। एक आदिवासी निकाय के केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर मेइती-प्रभुत्व वाले क्षेत्रों में कुकी पुलिसकर्मियों की सुरक्षा पर चिंता व्यक्त की थी, इसके बाद स्थानांतरित कर्मियों की आवाजाही पर रोक लगा दी गई है। पुलिस ने कहा कि स्थानांतरण आदेश अतिरिक्त कर्मियों को सुव्यवस्थित करने के लिए जारी किए गए हैं, लेकिन मौजूदा संकट को देखकर इस स्तर पर कर्मियों की तत्काल आवाजाही की कोई आवश्यकता नहीं है। मणिपुर पुलिस ने लिखा, एमआर/आईआर इकाइयों के सभी समुदायों के 177 कर्मियों के विभिन्न इकाइयों में स्थानांतरण और तैनाती के संबंध में मणिपुर पुलिस मुख्यालय के 14 फरवरी के आदेश का संदर्भ लेकर सूचित करते है कि सभी एमआर/आईआर इकाइयों में उपलब्ध स्वीकृत पदों अनुरूप अतिरिक्त कर्मियों को सुव्यवस्थित करने और उनके वेतन की प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए स्थानांतरण व तैनाती की गई है।

जीमेल बंद होने की फेक खबर से दुनियाभर के लोगों को हो गई टेंशन

-बाद में गूगल ने किया खुलासा तो दूर हुई चिंता

नई दिल्ली (एजेंसी)। गूगल द्वारा जीमेल बंद करने की एक फेक खबर ने दुनियाभर के लोगों को चिंता में डाल दिया। बाद में गूगल ने खुद इस खबर का खंडन किया तो लोग निश्चिंत हुए। हालांकि गूगल के पास अपने प्रोडक्ट्स को बंद करने की एक लंबी लिस्ट है। कंपनी अपनी सर्विसेस और प्रोडक्ट्स को हमेशा के लिए बंद करने के लिए पॉपुलर है। लेकिन लिस्ट में कोई मेनस्ट्रीम या फिर कोई पॉपुलर प्रोडक्ट नहीं रहा। लेकिन जैसे कि मेल के बंद होने की खबर सामने आई, करोड़ों यूजर्स परेशान हो गए। यह खबर दुनियाभर में आग की तरह फैल गई, क्योंकि करोड़ों लोग इस सर्विस का रोज इस्तेमाल करते हैं। बता दें कि जीमेल दुनिया की सबसे लोकप्रिय ईमेल सर्विस है, जिसके 2024 तक वैश्विक स्तर पर 1.8 बिलियन (180 करोड़) से ज्यादा एक्टिव यूजर्स हैं। खबर वायरल होने के बाद, खुद गूगल को स्पष्टीकरण देने के लिए सामने आना पड़ा। जानकारी के अनुसार यह खबर बाजार में आते ही करोड़ों लोग परेशान हो गए, जिसमें दावा किया गया था कि 1 अगस्त 2024 को जीमेल बंद हो जाएगा। गूगल ने भी जीमेल यूजर्स की चिंता को नोटिस किया और फिर प्रतिक्रिया दी। गूगल के स्वामित्व वाले जीमेल के ऑफिशियल पेज से मैसेज में कहा गया है कि जीमेल यहां रहने के लिए है। तब जाकर लोगों की टेंशन खत्म हुई। यह खबर पूरी तरह से फेक निकली।

दरअसल इस अफवाह की शुरुआत एक मैसेज से हुई, जिसमें दावा किया गया था कि गूगल इस साल के अंत में जीमेल को बंद करने की तैयारी कर रही है। हेरफेर करके बनाई गई यह फेक इमेज एक्स और टिकटॉक सहित सोशल मीडिया प्लेटफार्म्स पर फैल गई। कुछ रिपोर्ट्स का दावा है कि इसकी शुरुआत टिकटॉक ऐप से हुई। इनमें से कुछ पोस्ट में दावा किया गया है कि जेमिनी इमेज जेनरेशन को लेकर तमाम आलोचनाओं के बाद गूगल जीमेल को बंद कर रहा है। वायरल हो रहे फेक मैसेज में लिखा था कि हम आपसे जीमेल से जुड़े एक महत्वपूर्ण जानकारी शेयर करना चाहते हैं। सालों तक दुनियाभर में करोड़ों लोगों को जोड़ने, आसान कम्यूनिकेशन को सक्षम बनाने और अनगिनत कनेक्शन्स को बढ़ावा देने के बाद, जीमेल का सफर अब समाप्त होने के करीब है। 1 अगस्त, 2024 से जीमेल आधिकारिक तौर पर बंद हो जाएगा।

थाईलैंड में 'कुशीनगर महापरिनिर्वाण स्थल' बना आकर्षण का केन्द्र

बैंकॉक। थाईलैंड में 23 फरवरी से 3 मार्च तक आयोजित बुद्धभूमि कार्यक्रम के माध्यम से यूपी पर्यटन विभाग थाईलैंडवासियों को कुशीनगर महापरिनिर्वाण स्थल के दर्शन करा रहा है। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने वर्चुअल माध्यम से कार्यक्रम का उद्घाटन किया। कार्यक्रम में भगवान बुद्ध के महापरिनिर्वाण स्थल थीम पर पवेलियन का निर्माण किया गया है। थाईलैंडवासियों को इसके माध्यम से यूपी के छह प्रमुख बौद्ध तीर्थ स्थलों की जानकारी दी जा रही है। इसमें कुशीनगर, सारनाथ, श्रावस्ती, कपिलवस्तु, संकिसा और कौशांबी तीर्थ से जुड़ी जानकारी पुस्तक, यात्रा वृतांत और स्टॉल आदि के माध्यम से प्रदान की जा रही है।

ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन के समर्थन में 55 व्यक्तियों, 37 संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया की विदेश मंत्री पेनी वोंग ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन के समर्थन में उनके देश ने 55 लोगों और 37 कानूनी संस्थाओं पर प्रतिबंध लगाया है। शुक्रवार को अमेरिकी सरकार ने रूस पर 500 से ज्यादा अतिरिक्त प्रतिबंध लगाया। अमेरिकी प्रशासन के अनुसार, यूक्रेन में निरंतर सैन्य अभियान चलाने के लिए रूस को दंडित करने के उद्देश्य से यह प्रतिबंध लगाया गया। अमेरिका ने पिछले सप्ताह रूस के विपक्षी नेता एलेक्सी नवलनी की जेल में मौत के लिए तीन रूसी अधिकारियों को भी निशाना बनाया। सुश्री वोंग ने कहा, 'हम यूक्रेन की संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए अपने समर्थन में खड़े हैं... आज ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने 55 लोगों पर वित्तीय प्रतिबंध और यात्रा प्रतिबंध लगाए हैं और 37 संस्थाओं पर वित्तीय प्रतिबंध लगाए हैं।''

भारत ने जाह्नवी कंडुला की मौत से संबंधित मामला सिएटल के अधिकारियों के समक्ष उठाया

वाशिंगटन। भारतीय छात्रा जाह्नवी कंडुला की मौत के मामले में आरोपी पुलिस अधिकारी के खिलाफ सबूतों के अभाव में मुकदमा नहीं चलाए जाने की अभियोजन अटॉर्नी की दलील के बाद सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने अधिकारियों के समक्ष यह मामला उठाया है। सिएटल में पिछले साल 23 जनवरी को सड़क पार करते समय 23 वर्षीय कंडुला को अधिकारी केविन डेव द्वारा चलाए जा रहे एक पुलिस वाहन ने टक्कर मार दी थी, जिसके बाद कंडुला की मौत हो गई थी। हादसे के समय वाहन की रफ्तार 119 किलोमीटर प्रतिघंटा से ज्यादा थी। घटना के वक्त पुलिस अधिकारी के शरीर पर लगे कैमरे का ऑडियो वायरल होने के बाद सवाल उठे थे, जिसमें उनका सहकर्मी डेनियल ऑडेरर इस हादसे को लेकर हंसता हुआ सुनाई दिया था। बुधवार को, किंग काउंटी अभियोजक कार्यालय ने कहा कि आपराधिक मामले को उचित संदेह से परे साबित करने के लिए सबूतों की कमी के कारण सिएटल पुलिस अधिकारी केविन डेव के खिलाफ मुकदमा नहीं चलाएंगे। सिएटल में भारत के वाणिज्य दूतावास ने कहा कि वह मामले में प्रगति की निगरानी कर रहा है और कंडुला तथा उनके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगा। वाणिज्य दूतावास ने शुक्रवार को 'एक्स' पर लिखा, 'जाह्नवी कंडुला की दुर्भाग्यपूर्ण मौत के संबंध में किंग काउंटी अभियोजन अटॉर्नी की हाल ही में जारी जांच रिपोर्ट को लेकर वाणिज्य दूतावास जाह्नवी के परिवार के साथ नियमित संपर्क में है और जाह्नवी व उसके परिवार के लिए न्याय सुनिश्चित करने में हर संभव सहायता प्रदान करता रहेगा।' वाणिज्य दूतावास ने लिखा, 'हमने उचित समाधान के लिए सिएटल पुलिस समेत स्थानीय अधिकारियों के साथ भी मामले को जोरदार ढंग से उठाया है। मामले को अब समीक्षा के लिए सिएटल सिटी अटॉर्नी के कार्यालय में भेजा गया है।'

'शीतयुद्ध की मानसिकता रुस-यूक्रेन संघर्ष का मूल कारण'

बीजिंग। रूस-यूक्रेन मुठभेड़ शुरु हुए 24 फरवरी को दो वर्ष पूरे हो गए। वर्तमान में दोनों देशों की सेनाएं संघर्ष मैदान पर गतिरोध में पड़ी हैं। अमेरिका और यूरोपीय संघ रूस के खिलाफ नये दौर के प्रतिबंध की तैयारी कर रहे हैं। युद्ध विराम की आशा कमजोर दिख रही है। पूरे विश्व में इस मुठभेड़ के कारण के प्रति अधिक गहरी समझ आयी है और युद्ध विराम की आवाज बुलंद हो रही है। यूएन मानवाधिकार उच्चायुक्त कार्यालय के आंकड़ों के अनुसार दो साल में इस युद्ध में रूस और यूक्रेन की हताहतों की संख्या 5 लाख को पार कर गयी है और यूक्रेन के 1 करोड़ लोग बेघर हो गये हैं। यह मुठभेड़ पैदा होने के बाद विश्व भर में ऊर्जा और खाद्यान्न की कीमतों में तेजी आयी और इसका नकारात्मक प्रभाव निरंतर फैल रहा है। अब विश्व में अधिकांश लोगों में इस बात की समझ आई है कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति सिर्फ सरल गणित फोर्म्यूलर नहीं है। शीतयुद्ध की मानसिकता इस युद्ध का मूल कारण है और अमेरिका इस मुकाबले को उकसावा देने वाला है। इसके अलावा इस युद्ध से यह भी साबित हुआ है कि एकतरफा प्रतिबंध से काम नहीं चलता और इसके विपरीत मुकाबला तीव्र होता है। दो साल में अमेरिका और यूरोपीय संघ ने रूस पर 13 दौर के प्रतिबंध लगाये। लेकिन, अब तक इससे रूस की सैन्य कार्रवाई और रूस की अर्थव्यवस्था में बड़ा व्यावहारिक प्रभाव नहीं पड़ा। जटिल सवाल का सरल समाधान नहीं है। सुरक्षा सैन्य गुटों के विस्तार से प्राप्त नहीं की जा सकती। यूक्रेन संकट के समाधान का फौरन कार्य यही है कि विभिन्न पक्ष सदिच्छा दिखाकर रूस-यूक्रेन वार्ता के लिए जरूरी शर्तें तैयार करने की समान कोशिश करें। मूल रूप से देखा जाए संतुलित, सर्वांगीण और विवेकतापूर्ण पक्ष पर कायम रहना है। यूक्रेन की प्रभुसत्ता की सुरक्षा की जानी और इसके साथ रूस की युक्तियुक्त सुरक्षा चिंता का सम्मान किया जाना चाहिए।

शी चिनफिंग ने साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण पर ज़ोर दिया

बीजिंग। चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने केंद्रीय वित्तीय व आर्थिक समिति के चौथे पूर्ण सत्र की अध्यक्षता कर बड़े पैमाने पर साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण और प्रभावी ढंग से लॉजिस्टिक्स लागत घटाने पर विचार किया। शी चिनफिंग ने बल दिया कि उत्पादों के नवीनीकरण में तेज़ी लाना उच्च गुणवत्ता विकास का अहम कदम है। हमें साजो-सामान और उपभोक्ताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण को प्रोत्साहित करना चाहिए। इसके अलावा हमें समाज में लॉजिस्टिक्स लागत कम करना है ताकि व्यवसायों की केंद्रीय प्रतिस्पर्द्धात्मक शक्ति मजबूत की जाए और आर्थिक संचालन की कार्यकुशलता उन्नत की जाए। इस बैठक में कहा गया कि साजो-सामान और उपभोगताओं की वस्तुओं के नवीनीकरण से पूंजी निवेश और उपभोग को बड़ा बढ़ावा मिलेगा, जो वर्तमान और दीर्घकाल से लाभदायक है। हमें नीतिगत समर्थन से प्रगतिशील उत्पादन क्षमता के अनुपात की निरंतर उन्नति, नागरिकों के जीवन में उच्च गुणवत्ता वाली उपभोग वस्तुओं की अधिक लोकप्रियता, पुराने व रद्द संसाधानों के चक्रीय प्रयोग, राष्ट्रीय अर्थव्यवस्था की चक्रीय गुणवत्ता को बढ़ाना चाहिए। इस दौरान बाज़ार पर आधारित रहने और सरकार के मार्गदर्शन पर कायम रहना चाहिए।

स्वीडन के नाटो में शामिल होने के लिए मतदान से पूर्व हंगरी ने खरीदे स्वीडिश लड़ाकू विमान

बुडापेस्ट। हंगरी ने स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर हंगरी की संसद में 26 फरवरी को होने वाले मतदान से पहले स्वीडन से चार नए ग्रिपेन फाइटर जेट खरीदने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इस समझौते की घोषणा शुक्रवार को हंगरी के प्रधान मंत्री विक्टर ओर्बन और उनके स्वीडिश समकक्ष उल्फ क्रिस्टर्सन के बीच बुडापेस्ट में एक द्विपक्षीय बैठक के दौरान की गई। नेताओं ने हंगरी में ग्रिपेन लड़ाकू विमानों और उनकी सहायता प्रणालियों के किराये के संबंध में मौजूदा समझौते में संशोधन का भी खुलासा किया। प्रशिक्षण कार्यक्रमों सहित ग्रिपेंस से संबंधित लॉजिस्टिक सेवाओं के लिए एक नए अनुबंध पर भी हस्ताक्षर किए गए हैं। यह समझौता ऐसे समय हुआ है, जब स्वीडन दो साल पहले शुरू हुए रूसी-यूक्रेनी सशस्त्र संघर्ष के मद्देनजर तटस्थता की अपनी दीर्घकालिक नीति को छोड़कर नाटो गठबंधन में शामिल होना चाहता है।

श्रीलंका के कोलंबो में वार्षिक शोभा यात्रा से पहले गंगारामया बौद्ध मंदिर में एक महावत हाथी के साथ पूजा करते हुए, जहां शोभा यात्रा के दौरान सैकड़ों पारंपरिक ढोल वादकों और नर्तकियों द्वारा दर्जनों आकर्षक ढंग से सजाए गए हाथियों के साथ आकर्षक प्रस्तुति दी जाती है।

विदेश मंत्री कुलेबा की हुंकार.....रुस के खिलाफ जंग जीतेगा यूक्रेन

जिनेवा। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने संयुक्त राष्ट्र में कहा कि रूस के साथ जारी युद्ध में उनका देश ही जीत हासिल करेगा। रूस और यूक्रेन के बीच युद्ध के दो वर्ष पूरे हो गए हैं। यूक्रेनी विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने अपने संबोधन में देशों से यूक्रेन के साथ एकजुट होने की अपील की। कुलेबा ने कहा कि अगर वे ऐसा करते हैं, तब देर के बजाए जीत जल्दी ही मिलेगी। इस पर

संयुक्त राष्ट्र में रूस के राजदूत वैसिले नेबेंजिया ने अपने देश के तर्क को दोहराया कि उसने संघर्ष शुरू नहीं किया था। उन्होंने पश्चिमी देशों को युद्ध भड़काने का जिम्मेदार ठहराया, साथ ही आरोप लगाया कि यूक्रेन पश्चिमी भूराजनीतिक महत्वाकांक्षाओं का मोहरा बना है। नेबेंजिया ने कहा कि लक्ष्य हासिल होने तक रूस के ''विशेष सैन्य अभियान जारी रहेगा। वहीं यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की अमेरिका से अतिरिक्त सैन्य सहायता का अनुरोध कर रहे हैं। पूर्वी यूक्रेन पर रूस बलों के अधिक क्षेत्रों पर कब्जा करने के बीच यूक्रेन को अपनी रक्षा के लिए अधिक हथियार और धनबल की आवश्यकता है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन में कुलेबा ने याद दिलाया कि 140 से अधिक देशों ने यूक्रेन का समर्थन करने वाले और रूसी सेनाओं को वापस लेने के आह्वान वाले प्रस्तावों का समर्थन किया था लेकिन मास्को का उद्देश्य यूक्रेन को नष्ट करना है और वे इसके बारे में खुल कर बोलते हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री ने कहा कि तब दोनों देशों ने लगभग 200 दौर की बातचीत की थी और 20 संघर्ष विराम समझौते किये थे। उन्होंने कहा कि शांति के सभी प्रयास रूस की ओर से दो वर्ष पूर्व आक्रमण करने के साथ ही समाप्त हो गए।

तेल बेचकर हथियार खरीद रहा है इजरायल समर्थक मुस्लिम देश

तेल अवीव (एजेंसी)। अजरबैजान की राजधानी बाकू में अलीयेव के कार्यालय ने उनके और उनके इजरायली समकक्ष के बीच बैठक के संबंध में एक बयान जारी किया। इस बयान में बताया गया है कि दोनों राष्ट्रपतियों ने अजरबैजान और इजरायल के बीच सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों, वाणिज्यिक, आर्थिक, सांस्कृतिक और मानवीय संबंधों पर चर्चा की। एक तरफ मुस्लिम देशों के दवाब को दरकिनार कर अजरबैजान इजरायल को तेल बेच रहा है तो साथ ही उससे हथियार भी खरीद रहा है। मुस्लिम बाहुल्य अजरबैजान की रिपोर्टों से संकेत मिलता है कि गाजा युद्ध की वजह से अंतरराष्ट्रीय दबाव के बावजूद राष्ट्रपति अलीयेव ने इजरायल के साथ संबंधों को बढ़ावा देने की अपनी नीति जारी रखी है। म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन में भाग लेने वाले इजरायली अधिकारियों और यहूदी नेताओं ने दुनिया में यहूदी विरोधी भावना की स्थिति पर डायस्पोरा मंत्रालय की नवीनतम रिपोर्ट के बारे में चिंता व्यक्त की। इसमें यहूदी विरोधी भावना में बहुत चिंताजनक वृद्धि का संकेत दिया गया है। इसमें आर्मेनिया में भी यहूदी विरोधी भावनाओं के बढ़ने की बात कही गई है।

डायस्पोरा मंत्रालय की रिपोर्ट में कहा गया है कि

आर्मेनिया में यहूदी विरोधी चर्चा काफी हद तक इजरायल और अजरबैजान के बीच संबंधों और इजरायल के रक्षा निर्यात से प्रभावित है। ये संबंध आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच नागोर्नो-काराबाख युद्ध की वजह से आर्मेनियाई समाज में गुस्सा पैदा करते हैं। रिपोर्ट कहती है कि आर्मेनियाई लोगों ने विशेष रूप से इजरायल पर ध्यान केंद्रित करना चुना है। यह दर्शाता है कि आर्मेनिया में यहूदी विरोधी रवैया बहुत गहरा है और बाहरी घटनाओं से प्रभावित होता है। बता दें कि अजरबैजान ने 16-18 फरवरी को म्यूनिख में सुरक्षा सम्मेलन के दौरान जनवरी 2024 के लिए अपना तेल निर्यात डेटा प्रकाशित किया। डेटा से पता चलता है कि उससे तेल निर्यात करने वाले देशों की तालिका में इजरायल पहले स्थान पर है। अरजैबान का डाटा दिखाता है कि उसने इजरायल को 523.5 हजार टन का निर्यात किया। ये करीब 297 मिलियन डॉलर का रहा। यह आंकड़ा अजरबैजान से तेल आयात करने वाले थाईलैंड, इटली और दूसरे देशों की तुलना में काफी अधिक है। म्यूनिख में ही इजरायल के राष्ट्रपति इसहाक हर्जोग ने अजरबैजान के प्रेसीडेंट राष्ट्रपति इल्हाम अलीयेव से मुलाकात भी की।

अमेरिका के मून मिशन का यान लैंडिंग के बाद सतह पर ही पलटा

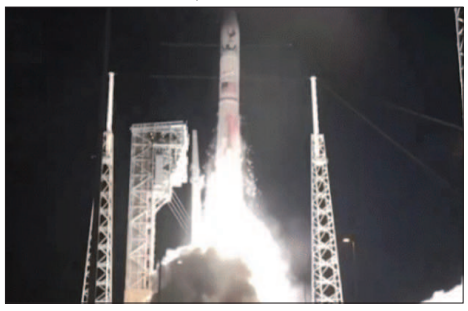

-कंपनी का दावा, फिर भी चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास जुटा रहा आंकड़े

वॉशिंगटन (एजेंसी)। नाटकीय लैंडिंग के बाद ओडीसियस अंतरिक्ष यान चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतर गया। हालांकि चंद्रमा की सतह पर उतरने के दौरान यह वहीं पर पलट गया। इसको लेकर कंपनी ने दावा किया कि यान अभी भी काम कर रहा है। कंपनी का कहना है कि चंद्रमा की सतह पर उतरने के दौरान यह यान पलट गया और चंद्रमा की सतह पर पड़ा हुआ है। शुक्रवार को कंपनी ने कहा कि ग्राउंड कंट्रोलर रोबोट डेटा और सतह की तस्वीरें डाउनलोड करने का काम कर रहा है। गौरतलब है कि ओडीसियस अंतरिक्ष यान गुरुवार शाम 6:23 बजे पूर्वी समय पर चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के पास उतरा था। इस दौरान वैज्ञानिकों की टीमों को एक बैकअप पर काम करना पड़ा था और रेडियो संपर्क स्थापित करने में कई मिनट लग गए थे। चंद्रमा पर पहली बार लैंडिंग कराने वाली निजी कंपनी इंटुएटिव मशीन्स ने शुरू में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था कि उसका हेक्सागोनल अंतरिक्ष यान सीधा खड़ा था, लेकिन सीईओ स्टीव अल्टेमस ने शुक्रवार को पत्रकारों से कहा कि यह बयान गलत व्याख्या किए गए डेटा पर आधारित था। इस पर अल्टेमस ने कहा कि बोर्ड पर विज्ञान प्रयोगों से डेटा डाउनलोड करने की टीम की क्षमता नीचे की ओर लगे एंटेना के कारण बाधित हो रही थी, जो पृथ्वी पर वापस आने के लिए अनुपयोगी हैं। ओडीसियस को अभी भी विज्ञान प्रयोगों को पूरा करने के लिए डिजाइन किए गए नासा वित्त पोषित मून लैंडर्स के एक नए बेड़े के लिए पहली सफलता हासिल की है, जो आर्टेमिस कार्यक्रम के तहत चंद्रमा से अमेरिकी अंतरिक्ष यात्रियों की वापसी का रास्ता साफ करेगा। पिछले महीने एक अन्य अमेरिकी कंपनी द्वारा किया गया मून मिशन विफलता रहा। इस मिशन ने यह दिखा दिया है कि निजी कंपनियों के पास 1972 में अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा द्वारा अपोलो 17 मिशन के दौरान हासिल की गई उपलब्धि को फिर से दोहराने की क्षमता है, इसलिए यह क्रम आगे भी चलेगा।

मिस्र भी हो रहा है कंगाल, उबारने के हो रहे प्रयास

काहिरा। मिस्र के पीएम मुस्तफा मैडबौली ने कहा कि यूएई 15 अरब डॉलर का भुगतान एडवांस में करेगा। बाकी का भुगतान दो महीने में करेगा। मैडबौली के मुताबिक यह सौदा देश के आधुनिक इतिहास में शहरी विकास परियोजना में सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निवेश है। इस शहर में आवासीय, पर्यटक रिसॉर्ट्स, स्कूल, यूनिवर्सिटी, एक इंडस्ट्रियल जोन, एक केंद्रीय वित्तीय और व्यावसायिक जिला, टूरिस्ट यॉट के लिए इंटरनेशनल मरीना और एक इंटरनेशनल हवाई अड्डा शामिल होगा। यहां के लोगों के भविष्य को लेकर मैडबौली ने कहा कि उन्हें अन्य क्षेत्रों में स्थानांतरित किया जाएगा। इन्हें वित्तीय मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यह परियोजना देश के आर्थिक संकट को कम करेगी। रास अल-हिकमा अलेक्जेंड्रिया के पश्चिम में लगभग 200 किमी की दूरी पर है। यह अमीर टूरिस्ट वाला इलाका है, जो अपने सफेद रेत वाले बीच के लिए मशहूर है। मिस्र धीमी गति से बढ़ते आर्थिक संकट में फंस गया है, जिसमें विदेशी मुद्रा भंडार लगातार कम हो रहा है। इस कारण मिस्र के पाउंड और स्थानीय व्यवसायों पर दबाव बना हुआ है। मिस्र ने दिसंबर 2022 में आईएमएफ के साथ 3 अरब डॉलर के वित्तीय सहायता की डील की थी। लेकिन मिस्र ने लचीले एक्सचेंज रेट सिस्टम को अपनाने में देरी की और सरकारी संपत्तियों को धीरे-धीरे बेचा जिस कारण यह डील फाइनल नहीं हो पाई।

पाकिस्तान सरकार ने ईरान के साथ गैस पाइपलाइन के निर्माण को दी मंजूरी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान सरकार ने आखिरकार ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है। इससे नकदी संकट से जूझ रहे पाकिस्तान की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। अंतरिम सरकार की ऊर्जा पर मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीओई) ने पाकिस्तान के अंदर 80 किलोमीटर के खंड के पहले चरण के लिए कई वर्षों की देरी के बाद मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के अनुसार, 'पाकिस्तान सरकार ने ईरान-पाकिस्तान (आईपी) गैस पाइपलाइन के अपने खंड पर निर्माण कार्य शुरू करने की मंजूरी दे दी है।' समिति ने पेट्रोलियम डिवीजन की सिफारिश पर कार्य करते हुए प्रारंभिक चरण में पाकिस्तान-ईरान सीमा से शुरू होकर बलूचिस्तान प्रांत के बंदरगाह शहर ग्वादर तक परियोजना की शुरुआत का समर्थन किया है।

बयान के अनुसार, 'सभी संबंधित प्रभागों ने पाकिस्तान की जनता को गैस आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए परियोजना को आगे बढ़ाने के लिए सकारात्मक मंजूरी दी, जिससे देश की बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा किया जा सके।' पाकिस्तान की इंटरस्टेट गैस सिस्टम्स (प्राइवेट) लिमिटेड इस परियोजना को निष्पादित करने के लिए तैयार है, जिसे गैस इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट सेस (जीआईडीसी) के माध्यम से वित्तपोषित किया जाएगा। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने सप्ताह की शुरुआत में रिपोर्ट दी थी कि परियोजना को समय पर पूरा करने में विफल रहने पर 18 अरब डॉलर के संभावित जुर्माने के डर से पाकिस्तान को कई वर्षों की देरी के बाद काम शुरू करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। अंतरराष्ट्रीय अदालतों में मुकदमेबाजी से बचने के उद्देश्य से ईरान ने सितंबर 2024 तक 180 दिन का विस्तार दिया है। विशेषज्ञों ने कहा कि यदि पाइपलाइन परियोजना से संबंधित अपने अधिकारों की रक्षा के लिए ईरान कानूनी कार्रवाई करता तो दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंध तनावपूर्ण हो सकते थे।

ब्रिटेन की संसद में भारत के खिलाफ जहर, किसान आंदोलन को बनाया मुद्दा

लंदन (एजेंसी)। भारत के आंतरिक मामले पर विदेशी प्रोपगेंडा टीम फिर एक्टिव हो गई है। दिल्ली बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन को लेकर टिप्पणी हो रही है। इस बार भारत विरोधी आवाज ब्रिटेन की संसद से उठी है। किसान आंदोलन के बीच खनौरी बॉर्डर पर एक किसान की मौत को लेकर ब्रिटेन की संसद ने टिप्पणी की है। ब्रिटिश संसद के सिख सांसद तनमनजीत सिंह ने कहा कि किसानों की अभिव्यक्ति की आजादी की रक्षा की जानी चाहिए। पूरे यूरोप में किसानों का आंदोलन चल रहा है। लेकिन ब्रिटिश सिख सांसद को दूर देश भारत का किसान आंदोलन दिखाई पड़ रहा है। पूरे यूरोप में किसान सरकार से नाराद हैं। राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन पर नया दबाव बनाने के लिए किसानों ने मध्य पेरिस में ट्रैक्टर लेकर पहुंच गए।

ब्रिटेन की संसद को संबोधित करते हुए तनमनजीत सिंह डेसी ने कहा कि सिख समुदाय और गुरुद्वारों के सदस्यों सहित मेरे कई घटकों ने नई दिल्ली की ओर मार्च करने के प्रयास में प्रदर्शनकारी किसानों की सुरक्षा के बारे में अपनी गंभीर चिंताओं के बारे में मुझे लिखा है। सिंह ने सदन को बताया कि पुलिस के साथ कथित गतिरोध के दौरान एक प्रदर्शनकारी की मौत हो गई, सिर में गोली लगने का घाव जिसमें मौत का कारण था।

ब्रिटेन के छाया निर्यात मंत्री ढेसी ने यह भी कहा कि एक्स को भारत सरकार द्वारा कृषि विरोध कार्यकर्ताओं के हैंडल हटाने के लिए मजबूर किया जा रहा था। उन्होंने यह बताने के लिए बीबीसी की एक रिपोर्ट का हवाला दिया। उन्होंने अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकारों÷ के लिए अपनी चिंता पर भी जोर दिया। तो, क्या एलओएच मुझसे सहमत हैं कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और प्रदर्शनकारियों की सुरक्षा और उनके मानवाधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए, और सरकार ने इस आशय के लिए अपने भारतीय समकक्षों को क्या प्रतिनिधित्व दिया है?

ये हमारे लिए पसंद बनाने का समय, गृह राज्य में वोटर्स से निक्की हेली ने की खास अपील

वॉशिंगटन (एजेंसी)। भारतीय-अमेरिकी राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार निक्की हेली ने शुक्रवार को महत्वपूर्ण प्राथमिक चुनावों की पूर्व संध्या पर दक्षिण कैरोलिना में साथी रिपब्लिकन के सामने एक आकर्षक तर्क दिया, उनके कई समर्थकों ने कहा कि वह इस समय अमेरिका के लिए सबसे अच्छा दांव हैं। रिपब्लिकन राष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर उनके गृह राज्य दक्षिण कैरोलिना में उनकी राजनीतिक रैली में भाग लेने वाले कई भारतीय अमेरिकियों ने कहा कि हेली संयुक्त राज्य अमेरिका का नेतृत्व करने के लिए सबसे अच्छी व्यक्ति होंगी। यह देखते हुए कि पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प 22 प्रतिशत से अधिक अंकों से आगे चल रहे हैं, इन भारतीय अमेरिकियों को भरोसा था कि 52 वर्षीय हेली शनिवार के बाद अपना राष्ट्रपति अभियान जारी रखेंगी और जीओपी सम्मेलन तक जाएंगी।

यहां तक ??कि दक्षिण कैरोलिना की दो बार पूर्व गवर्नर हेली ने दक्षिण कैरोलिना में ट्रंप के साथ अंतर को पाट दिया है - जो एक बार 30 प्रतिशत से अधिक था, लेकिन राष्ट्रीय मीडिया ने उन्हें लगभग नजरअंदाज कर दिया है और उनका मानना ??है कि पूर्व राष्ट्रपति और उनके पूर्व बॉस रिपब्लिकन पार्टी के अंतिम उम्मीदवार होंगे। हेली और उनकी टीम ऐसा नहीं मानती। आम चुनाव में आपको एक विकल्प दिया जाता है। प्राथमिक चुनाव में आप अपनी पसंद बनाते हैं। संयुक्त राष्ट्र में पूर्व अमेरिकी राजदूत हेली ने शनिवार के रिपब्लिकन प्राइमरी से पहले दक्षिण कैरोलिना के चार्ल्सटन में पैट्रियट्स पॉइंट साइट पर सैकड़ों की संख्या में मौजूद अपने समर्थकों से कहा कि %यह हमारे लिए अपनी पसंद बनाने का समय है।

उन्होंने कहा कि हम या तो ऐसा ही और अधिक कर सकते हैं और ऐसा ही केवल जो बिडेन ही नहीं, बल्कि डोनाल्ड ट्रम्प भी कर सकते हैं, या हम एक नई पीढ़ी के नेता का चुनाव कर सकते हैं जो भविष्य के लिए समाधानों के साथ हमें आगे ले जाएगा। मीडिया में कुछ लोगों ने सोचा कि मैं दौड़ से बाहर हो जाऊंगा। मैं नहीं हूँ। इससे बहुत दूर।

संपादकीय

नहीं है कोई बड़ी बात अपनों के लिए झुकना

एक घटना प्रसंग दिवंगत शासन श्री मुनि श्री पृथ्वीराजजी स्वामी (श्रीडुंगरगढ़) मुझे बात के प्रसंग में बोलते थे कि जीवन में अपनों के लिए झुकना पड़े तो सबसे पहले प्रदीप तेरा नाम हो उसमे क्योंकि रिश्ते अहं से नहीं प्यार , अपनापन , सम्मान आदि से बनते है ।सचमुच मुनि श्री की यह प्रेरणा जीवन में कितना आह्लाद पैदा करती है । इस धरती पर इंसान ईश्वर की बहुत ही सुन्दर देन है। हमारे चारों और सुन्दर वातावरण है। ईश्वर ने हमें स्वस्थ्य मष्तिष्क दिया है। अब हम अपने आप को अपनी शक्ति को कैसा देखते हैं अपने चारों और के वातावरण को कैसा महसूस करते हैं और दिमाग में किन विचारों को ग्रहण करते हैं, यह सब तो अपने आप पर ही निर्भर करेगा । सकारात्मक सोच का संबंध सिर्फ हमारें करियर से ही नहीं है यह हमारें परिवारिक और सामाजिक जीवन से भी जुड़ी है, नकारात्मक सोच वाले व्यक्ति अपने आसपास एक ऐसा नकारात्मक माहौल बना लेते हैं, जो उनके साथ-साथ उनके आसपास के लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी बुरा असर डालता है, कभी गौर करें कि जब हम अपनें जीवन के प्रति सकारात्मक बातें करते हैं तो बहुत से लोग हमारी और आकर्षित होते हैं वहीं अगर हम हर समय जीवन के नकारात्मक पहलुओं को ही कुरेदते रहते हैं तो हर कोई हमारें साथ से बचना ही चाहता है। अत: जीवन से जुड़ी अपेक्षाएं पूरी न होने पर निराशा स्वाभाविक है लेकिन अगर हम उस निराशा के अंधेरे में ही डूबे रहेंगे तो आशा की दूसरी किरणों को पहचान भी नहीं पाएंगे। जरूरत है ऐसे में मन को संयत करने की और सही से सकारात्मकता से भरने की। रचनात्मकता से सोचने की,कि अपनों के लिए झुकना कोई बड़ी बात नहीं है । पूर्णिमा को चमकने वाला चाँद भी अमावस्या को ढलता ही है । इस तरह अपनों के लिए झुक कर ऐसा करने से मन को खुशी मिलती है और खुशी से सन्तुष्टि मिलती है ।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। व्यावसायिक समस्याएं रहेंगी। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। जीविका की दिशा में प्रगति होगी। रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी।

वृषभ पारिवारिक जनों के साथ सुखद समाचार मिलेगा। जारी प्रयास सफल होंगे। खानपान में संयम रखें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मिथुन व्यावसायिक योजना सफल होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पराक्रम में वृद्धि होगी।

सिंह पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। आर्थिक दिशा में प्रगति होगी। वाणी की सौम्यता प्रतिष्ठा में वृद्धि करायेगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। धन लाभ के योग हैं।

कन्या जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। अनावश्यक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। राजनैतिक दिशा में चल रहा प्रयास सफल होगा।

तुला पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकती है। स्वास्थ्य शिथिल रहने की संभावना है। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे।

वृश्चिक दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। कोई भी महत्वपूर्ण निर्णय न लें। आर्थिक प्रयास फलीभूत होंगे। व्यावसायिक क्षेत्र में सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें।

धनु व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

मकर बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। भाई या पड़ोसी का सहयोग मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

कुम्भ पारिवारिक दायित्व की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

मीन जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। अनावश्यक व्यय का सामना करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता आपको सम्मान दिलायेगी।

शरीर के भीतर बुढ़ापारोधी 'अमृत' की तलाश

मुकुल व्यास

बुढ़ापे की प्रक्रिया पर अंकुश लगाने के लिए दुनिया में पिछले काफी समय से रिसर्च चल रही है। वैज्ञानिक आयु बढ़ने की प्रक्रिया को पलटने की कोशिश कर रहे हैं और इस दिशा में उन्हें कुछ सफलता भी मिल रही है। आयु-वृद्धि एक स्वाभाविक प्रक्रिया है और इसे पूरी तरह से पलट देना या रोक पाना असंभव है। फिर भी आयु-वृद्धि का विज्ञान शोध का एक दिलचस्प क्षेत्र है। अब एक नई खोज से पता चलता है कि बुढ़ापा रोधी चमत्कारी 'अमृत' हमारे शरीर के अंदर भी हो सकता है। अमेरिका की कोल्ड स्प्रिंग हार्बर लेबोरेटरी (सीएसएचएल) की सहायक प्रोफेसर कोरिना अमोर वेगास और उनके सहयोगियों ने पता लगाया है कि टी कोशिकाओं को आयु-वृद्धि से लड़ने के लिए संशोधित किया जा सकता है। टी कोशिकाएं एक तरह की श्वेत कोशिकाएं होती हैं। वेगास की टीम का कहना है कि आनुवंशिक संशोधनों के सही सेट से टी कोशिकाओं की रिप्रोग्रामिंग करके उन्हें कोशिकाओं के दूसरे समूह पर हमला करने के लिए तैयार किया जा सकता है जो हमारे शरीर में बीमारियां उत्पन्न करती हैं। इन्हें सेन्सेंट कोशिकाएं कहा जाता है। सेन्सेंट कोशिकाएं दरअसल वृद्ध कोशिकाएं होती हैं जो आयु वृद्धि के साथ अपनी प्रतिकृति बनाना बंद कर देती हैं। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़ती है, वे हमारे शरीर में जमा होने लगती हैं, जिसके परिणामस्वरूप हानिकारक सूजन हो जाती है। इस समय कई दवाएं मौजूद हैं जो इन कोशिकाओं को खत्म कर सकती हैं। इनमें से कई दवाओं को बार-बार लेना पड़ता है। एमोर वेगास और उनके सहयोगियों ने दवाओं के रूप में एक 'जीवित दवा', सीएआर (काइमेरिक एंटीजन रिसेप्टर) टी कोशिकाओं की ओर रुख किया। उन्होंने पाया कि चूहों में वृद्ध कोशिकाओं को खत्म करने के लिए सीएआर टी कोशिकाओं में हेरफेर किया जा सकता है। परिणामस्वरूप, चूहे अधिक स्वस्थ जीवन जीने लगे। उनके शरीर का वजन कम हुआ। उनके शरीर में मेटाबॉलिज्म (चयापचय) और ग्लूकोज सहनशीलता में सुधार हुआ तथा शारीरिक गतिविधि में वृद्धि हुई। ये सभी लाभ उतकों की क्षति या विषाक्तता के बगैर आए। एमोर वेगास ने बताया कि वृद्ध चूहों को सी एआर टी कोशिकाएं देने पर उनका कायाकल्प हो जाता है। युवा चूहों को इन कोशिकाओं की खुराक देने पर उनकी आयु वृद्धि की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। फिलहाल कोई अन्य थेरैपी ऐसा नहीं कर सकती। शायद सीएआर टी कोशिकाओं की सबसे बड़ी शक्ति उनकी दीर्घायु है। वेगास की टीम ने पाया कि कम उम्र में सिर्फ एक खुराक देने से जीवन भर उसका असर हो सकता है। यह एकल उपचार उन दशाओं से रक्षा कर सकता है जो आमतौर पर जीवन में बाद में प्रकट होती हैं। इनमें मोटापा और डायबिटीज शामिल हैं। एमोर वेगास के अनुसार टी कोशिकाओं में याद दाश्त विकसित करने और शरीर में लंबे समय तक बने रहने की क्षमता होती है, जो एक रासायनिक दवा से बहुत अलग है। सीएआर टी कोशिकाओं की थेरेपी पुरानी और दीर्घकालिक बीमारियों के उपचार में बहुत उपयोगी हो सकती है। इन कोशिकाओं के लाभ पहली बार सामने नहीं आए हैं। उल्लेखनीय है कि विभिन्न प्रकार के रक्त कैंसर के इलाज के लिए सीएआर टी कोशिकाओं का उपयोग किया गया है। इस उद्देश्य के लिए 2017 में अमेरिका के एफडीए की मंजूरी मिल चुकी है। लेकिन एमोर वेगास उन पहली वैज्ञानिकों में से एक हैं जिन्होंने यह दिखाया कि सीएआर टी कोशिकाओं की चिकित्सा क्षमता कैंसर से भी आगे तक जाती है। अमोर वेगास की प्रयोगशाला अब यह जांच कर रही है कि क्या सीएआर टी कोशिकाएं चूहों को सचमुच लंबे समय तक स्वस्थ और जीवित रहने देती हैं। यदि ऐसा है, तो हम चिर यौवन के बहुप्रतीक्षित स्रोत के और करीब पहुंच जाएंगे।इस बीच, शोधकर्ताओं के अन्य दल ने पता लगाया है कि वसा के उप उत्पादों (बायप्रॉडक्ट) में कमी करने से वृद्धावस्था में स्वस्थ रहने में मदद मिलती है। फैटी एसिड आणविक निर्माण इकाइयों में से एक हैं जो वसा बनाते हैं। यद्यपि विभिन्न शारीरिक कार्यों के लिए फैटी एसिड आवश्यक है, शरीर में उनकी अत्यधिक मात्रा हानिकारक हो सकती है, जो किसी व्यक्ति के दीर्घकालिक रोग के जोखिम को बढ़ाकर, चयापचय प्रक्रियाओं को बाधित करने और सूजन को बढ़ावा देकर उनके अच्छे स्वास्थ्य की अवधि और जीवन काल को छोटा कर सकती है। मेडिकल टेस्टों के दौरान फैटी एसिड की नियमित जांच की जाती है, जिनमें आपके लिपिड प्रोफाइल को मापने वाले रक्त परीक्षण शामिल हैं। लेकिन चिकित्सक और शोधकर्ता अक्सर वसा के अन्य प्रमुख घटक ग्लिसरॉल को संभावित हानिकारक प्रभावों के बावजूद नजरअंदाज कर देते हैं। ग्लिसरॉल एक यौगिक है जो फैटी एसिड को वसा के मॉलिक्यूल बनाने के लिए जोड़ता है। ये वसा उपोत्पाद कोशिकाओं और अंगों के कार्यों को बाधित करके उम्र बढ़ने के प्रभावों को दर्शाते हैं।

वास्तव में शोधकर्ता मोटापे को तेजी से उम्र बढ़ने के उत्प्रेरक के रूप में देख रहे हैं। वसा आपकी कोशिकाओं में आवश्यक कार्य करती है, लेकिन सभी तरह की वसा आपके लिए अच्छी नहीं होती। शोधकर्ताओं का कहना है कि हानिकारक वसा उपोत्पादों को कम करने से उम्र बढ़ने की प्रक्रिया को धीमा करने में मदद मिल सकती है और परिणामस्वरूप आम बीमारियों से बचा जा सकता है।

प्रयोगशाला जानवरों के जीवन काल को बढ़ाने और स्वास्थ्य में सुधार करने के तरीकों का अध्ययन करते समय शोधकर्ताओं ने पाया कि सभी बुढ़ापा-रोधी हस्तक्षेपों से ग्लिसरॉल के स्तर में कमी आई। उदाहरण के लिए जब कैनोर्हाडाइटिस एलिगेंस नामक गोल कृमि (निमेटोड) को कैलोरी-प्रतिबंधित आहार पर रखा जाता है तो वह लगभग 40 प्रतिशत अधिक समय तक जीवित रहता है। शोधकर्ताओं ने पाया कि लंबे समय तक जीवित रहने वाले इन कीड़ों के शरीर में ग्लिसरॉल का स्तर कम जीवित रहने वाले कीड़ों की तुलना में कम था, जिनके लिए भोजन प्रतिबंधित नहीं था। कैलोरी प्रतिबंध ने उनकी आंत और मांसपेशियों में ग्लिसरॉल को तोड़ने के लिए जिम्मेदार एडीएच-1 (एल्कोहल डिहाइड्रोजिनेस 1) नामक एंजाइम की गतिविधि को भी बढ़ा दिया। शोधकर्ताओं ने आहार प्रतिबंध से गुजर रहे या रैपामाइसिन नामक एंटी-एजिंग दवा से इलाज करा रहे लोगों में समान रूप से एडीएच-1 की गतिविधि को उच्च स्तर देखा। इस खोज से पता चलता है कि सभी प्रजातियों में स्वस्थ तरीके से उम्र बढ़ने के पीछे एक सामान्य तंत्र हो सकता है, जिसके मूल में एडीएच-1 है।

लेखक विज्ञान मामलों के जानकार हैं।

स्वच्छता अभियान हो पहली प्राथमिकता

यमुना की त्रासदी/ ज्ञानेन्द्र रावत

दिल्ली में जल्द ही यमुना घाट पर हरिद्वार और बनारस की तरह भव्य आरती का नजारा दिखेगा। कुटिया घाट के नाम से मशहूर रिंग रोड के किनारे स्थित वासुदेव घाट को आरती के लिए तैयार किया जा रहा है। हालांकि, इसकी तैयारी जी-20 सम्मेलन से पहले शुरू कर दी गयी थी। लेकिन यमुना में आयी बाढ़ ने इस काम को प्रभावित किया। पता चला है कि अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला के प्राण-प्रतिष्ठापन समारोह के दिन भी यहां आरती का आयोजन किया गया था। आजकल इन घाटों का सौंदर्यीकरण तेजी से किया जा रहा है। ट्यूलिप के पौधे लगाये जा रहे हैं, घाटों पर सीढ़ियां बनायी जा रही हैं और छोटी-छोटी हट भी बनाई जा रही हैं। देखा जाये तो दिल्ली में दर्शनीय स्थलों की वैसे ही भरमार है, उनमें एक नाम और जुड़ जायेगा। हां, दिल्लीवासियों के लिए यह जगह कहें या घाट, एक नयी सैरगाह जरूर हो जायेगी। इस प्रयास को सराहा ही जाना चाहिए। भले दिल्ली की जीवनदायिनी यमुना ज़हरीली हो गयी हो। उसमें लैड, कॉपर, जिंक, निकेल, कैडमियम और क्रोमियम जैसे सेहत के लिए हानिकारक तत्व मौजूद हों। भले ही यमुना रसायन के चलते बजबजाते झाग को रोकने के लिए समूचे सीवेज के ट्रीटमेंट की जरूरत के अलावा अपने उद्धार के लिए तरस रही हो। बीते दशकों का इतिहास इसका गवाह है कि यमुना साल-दर-साल कितनी प्रदूषित हुई है। उसके जल आचमन की बात तो दीगर है, वह जानलेवा बीमारियों का सबब बन गया है। पहले यमुना में जल प्रवाह को ही लें, दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के अनुसार यमुना नदी के राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में पड़ने वाले हिस्से में जल प्रवाह 23 घन मीटर प्रति सेकेंड क्यूसेक कम है। पिछले पखवाड़े जल संसाधन सम्बंधी एक संसदीय स्थायी समिति ने अपनी सिफारिश में दिल्ली में यमुना के 22 किलोमीटर लम्बे हिस्से में 23 घन मीटर प्रति सैकेंड क्यूसेक ई-फ्लो रखे जाने की बात कही थी। डीपीसीसी की मानें तो 23 क्यूसेक का ई-फ्लो जैविक आक्सीजन मांग यानी बीओडी का स्तर घटाकर 12 मिलीग्राम प्रति लीटर कर देगा। गौरतलब है कि बीओडी किसी नदी या जलाशय में मौजूद कार्बनिक पदार्थों को विघटित करने के लिए सूक्ष्मजीवों के लिये जरूरी आक्सीजन की मात्रा है। यहां यह जान लेना जरूरी है कि दिल्ली में पड़ने वाला नदी का हिस्सा इसके तकरीबन 80 फीसदी प्रदूषण के लिए जिम्मेदार है। ई-फ्लो जलप्रवाह की न्यूनतम मात्रा है जो किसी भी नदी या जलाशय को अपनी पारिस्थितिकी बरकरार रखने के लिए जरूरी है। मौजूदा दौर में हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से मात्र 10 क्यूसेक पानी छोड़ा जाता है। जबकि 23 क्यूसेक पानी यानी 43.7 करोड़ गैलन रोजाना अक्तूबर से जून के महीने के दौरान नदी में छोड़ा जाना चाहिए। लोकसभा की स्थायी समिति द्वारा यमुना पर तैयार रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है कि यमुना के जल में भारी धातु के प्रदूषक तत्वों की भरमार है जो जानलेवा बीमारियों के कारण हैं। समिति ने माना है कि लैड से वयस्कों में रीढ़ की हड्डियों से जुड़ी नसों से सम्बंधित पैरीफेरल न्यूरोपैथी और खासकर बच्चों में काग्निटिव इंपेयरमेंट, कापर से सिर दर्द, किडनी संबंधी बीमारी, उल्टियां और दस्त के साथ नौसिया,

जिंक से लिवर व किडनी से जुड़ी बीमारियां, निकेल से न्यूरोटाक्सिक, जेनेटाक्सिक और कार्सीनोजेनिक, कैडमियम से किडनी और लिवर से जुड़ी बीमारी के साथ आंत्रशोथ और क्रोमियम से न्यूरोनल डैमेज, हेपेटिक व गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल आदि जानलेवा बीमारियां जन्म लेती हैं। समिति ने यमुना में झाग बनने से रोकने हेतु दिल्ली, हरियाणा और उत्तर प्रदेश से प्रवाहित होने वाले समूचे सीवेज का ट्रीटमेंट किये जाने की जरूरत बताई है। इस झाग का बड़ा कारण बिना ट्रीटमेंट वाले सीवेज में फास्फेट आदि की मौजूदगी है। इस झाग से त्वचा रोग और संक्रमण का खतरा बना रहता है। जरूरी है कि सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों यानी एसटीपी की तकनीक को उन्नत बनाया जाये। उनकी क्षमता में बढ़ोतरी की जाये और सभी उद्योगों को साझा अपशिष्ट उपचार संयंत्रों से जोड़ा जाये। इसके साथ ही समिति ने ऐसे नियम, दिशा-निर्देश तैयार करने को कहा है कि जिसमें यमुना सहित देश की सभी नदियों में अपशिष्ट प्रवाहित किये जाने के खिलाफ दंडात्मक प्रावधान हो। समिति ने जल संसाधन विभाग को यह भी सुझाव दिया है कि वह यमुना नदी के लिए भी स्वच्छ गंगा मिशन की तर्ज पर एक कोष की स्थापना करे ताकि नदी की सफाई से जुड़े कामों में पैसे की कमी आड़े न आये। वैसे यमुना की सफाई पर अभी तक करोड़ों रुपये स्वाह हो चुके हैं। हकीकत यह कि यमुना में बीओडी का स्तर लगातार बढ़ रहा है। यह पहले से 20 गुणा ज्यादा मैली जरूर हो गयी है। यमुना आज भी बदहाली में जीने को विवश है। इसका अहम कारण यमुना का वोट बैंक न होना है। यदि ऐसा होता तो यमुना कब की शुद्ध, निर्मल, अविरल बन चुकी होती। अच्छा तो यह होता कि यमुना की भव्य आरती का आयोजन तब होता जब यमुना मैला ढोने वाली गाड़ी के अभिशाप से मुक्त हो जाती। उसी स्थिति में यमुना स्वयं को सम्मानित भी अनुभव करती और उसका गौरव भी बना रहता। अन्यथा ऐसे आयोजनों से यमुना का भला होगा, इसमें संदेह है।

विचार मंथन

कपड़ों की तरह नियम बदल देती है सरकार और संस्थाएं

(लेखक- सनत जैन)

नियम कायदे कानून यदि कपड़ों की तरह बार-बार बदले जाएं, तो उन नियम और कानून का क्या मतलब रह जाएगा।इसको आसानी के साथ समझा जा सकता है। नर्सिंग के लाखों छात्रों का भविष्य पिछले कई वर्षों से सरकार के नियम कायदे कानून के कारण अटका हुआ पड़ा है। हाईकोर्ट, सीबीआई, विश्वविद्यालय, नर्सिंग कॉलेज, इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियम और कानून के कारण छात्र भटक रहे हैं। किसी छात्र के 2 साल बर्बाद हो गए। किसी छात्र के 3 साल बर्बाद हो गए। केरियर बनाने के लिए उसके हजारों रुपए हर महीने खर्च हो रहे हैं। हर संस्था के अलग-अलग नियम और कानून के इस मकडजाल में फंसकर छात्र छात्राएं परेशान होकर यहां से वहां घूम रहे हैं।

हाल ही में मध्य प्रदेश शासन ने नर्सिंग कॉलेज खोलने के लिए नियम बदल दिए हैं। पहले 23000 वर्ग फुटफुट पर नर्सिंग कॉलेज के भवन बनाने का नियम था। अब सरकार ने इसे घटाकर 8000 वर्ग फुट कर दिया है। सरकार ने यह नियम नर्सिंग कॉलेज में पाठ्यक्रम सही तरीके से संचालित हो। बिना भवन के जो नर्सिंग कॉलेज चल रहे थे।उन नर्सिंग कॉलेज को मान्यता दी जा सके।इसके लिए सरकार ने नियम बदल दिए हैं। इंडियन नर्सिंग काउंसिल द्वारा नर्सिंग कॉलेज के लिए जो नियम सुनिश्चित किए गए थे। उसे दरकिनार करते हुए सरकार ने नियमों को बदल दिया है। नियम और कानून के इतने सारे मकड़जाल हैं, कि इससे निकाल पाना जो फस गया उसके लिए संभव नहीं है। राजनीतिक समीकरणों तथा नियमों की आड़ में भ्रष्टाचार करने के लिए हर संस्था अपने-अपने नियम कानून बना लेती है। नर्सिंग कॉलेज के मामले में इंडियन नर्सिंग काउंसिल के जो प्रावधान है। उसका पालन सरकार,सभी विश्वविद्यालयों, कॉलेज संचालकों को करना होता है। जैसे नियम होते हैं, उसके अनुसार कागज बना लिए जाते हैं। जिनके ऊपर जांच करने की जिम्मेदारी होती है। वह अपना शुकराना लेकर आंख बंद कर लेते हैं। वास्तविक स्थिति उसके विपरीत होती है। पिछले कई वर्षों से म. प्र.हाई कोर्ट में यह मामला चल रहा है. छात्र-छात्राओं की परीक्षाएं नहीं हुई हैं। सीबीआई की जांच चल रही है। मनमाने तरीके से नर्सिंग कॉलेज से पैसे लेकर कॉलेज को अनुमति दी गई। अनुमति देते समय किसी भी संस्था ने नियमों का ध्यान नहीं रखा। सारी संस्थाएं मिलजुल कर भ्रष्टाचार का खेल करते हैं। इसमें नुकसान उन छात्र-छात्राओं का हो रहा है। जिन्होंने नर्सिंग कॉलेज में प्रवेश लिया है ।अभी तक उन्हें नौकरी मिल जानी चाहिए थी प्रदेश और देश में नर्सिंग स्टाफ की भारी कमी है। कोई भी संस्था एक दूसरे के नियमों के अनुरूप नियम और कानून नहीं बनाते हैं। जिसके कारण यह अव्यवस्था दिनों दिन बढ़ती ही जा रही है। कायदे से नर्सिंग काउंसिल द्वारा जो नियम कायदे कानून बनाए जाते हैं। उनके अनुसार ही सरकारों, विश्वविद्यालयों और राज्यों की नर्सिंग काउंसिल के कानून का पालन कराने की जिम्मेदारी रहती हैं। राज्य सरकार, विश्वविद्यालय एवं स्टेट नर्सिंग काउंसिल द्वारा जो भी नियम बनाए जाएं। उसमें इंडियन नर्सिंग काउंसिल के नियम और दिशा निर्देश का पालन करना अनिवार्य है। लेकिन हर संस्था अपने हिसाब से नियम कायदे कानून को समय-समय पर बदलती रहती है। जिसके कारण भ्रष्टाचार भी बढ़ता है। छात्रों की शिक्षा में एकरूपता और गुणवत्ता नहीं होती है। भ्रष्टाचार की गंगा बहती रहती है। जिसने भ्रष्टाचार की गंगा में नहा लिया, उसके सारे पाप कट जाते हैं। जो नहीं नहा पाता है, वह भटकता रहता है। नर्सिंग के छात्र-छात्राओं का भ्रष्टाचार और रिश्वतखोरी के पाप ढोने पड़ रहे हैं। पिछले कई वर्षों से हाईकोर्ट, सीबीआई, नर्सिंग काउंसिल, राज्य सरकार और नर्सिंग कॉलेज के चक्कर लगाने ,भगवान को याद करते हुए, अपने भविष्य को लेकर चिंतित हैं। यह मामला हाईकोर्ट में चल रहा है। लाखों छात्रों का भविष्य खराब हो चुका है।ऐसी स्थिति में न्याय पालिका से यह अपेक्षा की जाती है, कि वह ऐसा निर्णय दे। जिससे इस तरीके की मनमानी खत्म हो सके। नियम कायदे कानून बनाने और उनका पालन किस तरह किया जाएगा। इसकी स्पष्ट गाइडलाइन हो। नियम और कानून बनाने वालों की जिम्मेदारी तय हो। जिन अधिकारियों ने लापरवाही और गड़बड़ी की है। उनको दंडित किए जाने की व्यवस्था हो। तभी जाकर स्थितियों को बेहतर बनाया जा सकता है।जिस तरह से नियम और कानून बनाए जा रहे हैं। थोड़े-थोड़े समय में उनमें बदलाव किए जा रहे हैं। यही भ्रष्टाचार की सबसे बड़ी गंगोत्री है। इस भ्रष्टाचार को रोकने के लिए हाईकोर्ट को स्पष्ट आदेश देने और कार्रवाई करने की जरूरत है।

बचपन

अपने काम की चेकिंग

बड़े शहर में एक छोटा लड़का जनरल स्टोर पर गया। स्टोर पर साइड में रखे फोन तक पहुँचने के लिए उसने एक डिब्बा उठाया और उस पर चढ़ गया। लड़के ने एक नंबर डॉयल किया। दुकानदार ने इस बच्चे की तरफ देखा और कोई काम नहीं था तो बातचीत सुनने लगा। इस बच्चे ने फोन पर एक महिला से कहा- मैडम, क्या आप मुझे अपने यहाँ बगीचे की घास काटने के काम पर रख सकती हैं?

उधर से जवाब आया- मैं किसी को काम पर रख चुकी हूँ।

लड़के ने फोन पर कहा- पर मैं उसकी आधी तनख्वाह में काम करने को तैयार हूँ?

जवाब था- पर मैं उस लड़के के काम से खुश हूँ और उसे बदल नहीं सकती।

लड़के ने हार नहीं मानी और कहा- मैं लॉन में घास की कटाई के साथ आपके फर्श का पोंछा भी लगा दिया करूंगा और कारों को अच्छे से पोंछ दिया करूंगा

महिला ने उधर से जवाब दिया- नहीं, अभी हम उस लड़के के काम से खुश हैं और उसे बदल नहीं सकती।

लड़के ने हार नहीं मानी और फिर कहा - मैं लॉन में घास की कटाई के साथ आपके फर्श का पोंछा भी लगा दिया करूंगा और कारों को अच्छे से पोंछ दिया करूंगा

महिला ने उधर से जवाब दिया - नहीं, अभी हम उस लड़के के काम से खुश हैं और हमें किसी की जरूरत नहीं है।

लड़के ने हँसकर फोन का रिसीवर रख दिया।

बातचीत के बाद जब लड़का जाने लगा तो दुकानदार ने कहा कि बच्चे मुझे तुम्हारा रवैया अच्छा लगा। अगर तुम चाहो तो तुम मेरे यहाँ काम कर सकते हो।

लड़के ने कहा - धन्यवाद, पर मेरे पास काम है।

मैं ही मैडम के यहाँ काम करता हूँ। मैं तो चेक कर रहा था कि वे मेरे काम से प्रसन्न हैं या नहीं।

सबसे प्यारा उपहार

पिंकू एक बहुत प्यारा खरगोश था। आज वह बहुत खुश था... और खुश क्यों न होता आज उसका जन्मदिन था। पिंकू को जन्मदिन पर अपने दोस्तों से अनेक तोहफे मिले, लेकन सबसे यादा पसंद आया, अपने दोस्त चिक्की खरगोश का तोहफा। जासूसी में उसकी रूचि जानकर चिक्की ने उसे एक लेंस तथा दूरबीन दी थी। एक दिन की बात है, पिंकू मजे से नदी के किनारे बैठा दूरबीन से आसपास के दृश्य देख रहा था। उसे बहुत दूर के दृश्य से भी ऐसे लग रहे थे, जैसे वह आगे बढ़कर उन्हें छू लेगा। चारों तरफ हरियाली थी। ठंडी हवा के झोंकों में पिंकू गुनगुनाने लगा- कितना प्यारा वह हमारा, जग से सुन्दर सबसे न्यारा। यह वन ही अपना सब कुछ, सब जीवों का सही सहारा।

उसने दूरबीन से दूसरी दिशा में देखा तो चौंक उठा। उसने दुबारा दूरबीन से देखा। काफी दूर किसी पेड़ पर एक मोटा अजगर पेड़ की शाखा पर बने किसी चिड़िया के घोंसले की तरफ बढ़ रहा था। पिंकू को घोंसले के ऊपर मंडराते चिड़िया साफ दिखाई दे रही थीं। बेचारी चिड़िया उस अजगर का मुकाबला कैसे करेगी? मुझे फौरन वहां पहुंचना चाहिए। यह सोचकर पिंकू वहां जा पहुंचा। पेड़ के समीप पहुंचने पर पिंकू को घोंसले में से चिड़िया के बच्चों के चीखने की आवाज साफ सुनाई देने लगी थी। चिड़िया पंख जोड़ते हुए अजगर से विनती कर रही थी, अजगर भइया, अजगर भइया, तुम ऊपर क्यों आते हो। हमने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है, जो तुम हमें सताते हो? हमारे बच्चे पर कुछ तो तरस खाओ। लेकिन मक्कार अजगर पर उनकी प्रार्थना को कोई असर नहीं हो रहा था। अब वह घोंसले से कुछ ही दूर रह गया था। अब मैं क्या करूं? इस अजगर के सामने मेरी क्या बिसात? पिंकू कोई तरकीब सोचने लगा। जल्द ही उसके दिमाग में एक विचार आ गया। उसने झटपट अपनी जेब से उपहार में मिला लेंस निकाला। फिर उसे सूरज के सामने करके लेंस के द्वारा सूरज की किरणें पेड़ के नीचे पड़े सूखे पत्तों तथा घासफूस के ढेर पर फेंकते हुए गाने लगा।

उसकी तरकीब काम कर गई। पत्तों और घासफूस का वह ढेर जल उठा और उससे लपटें उठने लगीं। पेड़ के नीचे आग जलती देख अजगर घबरा गया। चिड़िया के बच्चों को छोड़कर वह अपनी जान बचाने की फि करने लगा। उसका शरीर आग की आंच सह नहीं पाया और वह धड़ाम से पेड़ के नीचे जलते पत्ते के ढेर पर गिर गया। उसका बदन कई जगह से बुरी तरह झुलस गया। वह दर्द से कराहते हुए बोला-

उफ्फ, मुसीबत ये कैसी आई, झुलस गया है शरीर सारा

जान बची तो लाखों पाए, यहां न आऊंगा कभी दोबारा॥

और वह घिसट-घिसटकर वहां से दूर चला गया। यह देखकर चिड़िया पेड़ के नीचे आ गई और पिंकू के साहस और बुध्दिमानी की प्रशंसा करने लगी। चिड़िया के बच्चे भी चीं-चीं.. चीं-चीं... करते हुए पिंकू का धन्यवाद करने लगे। कुछ देर तक चिड़ियों से बातें करने के बाद पिंकू वापस अपने ठिकाने की ओर चल पड़ा। अब उसके कदमों में नया साहस तथा दिल में नई स्फूर्ति पैदा हो गई थी। उसे चिकी द्वारा दिए गए इस उपहार पर गर्व महसूस हो रहा है।

बच्चो नेल बाइटिंग की आदत है बूरी

जिन बच्चों में नेल बाइटिंग की आदत होती है उन्हें उनके पैरेंट्स से इस आदत के लिए कभी न कभी डांट जरूर सुननी पड़ती है हालांकि यह समस्या दुनियाभर में पाई जाती है। खासकर बच्चों में अध्ययन बताते हैं कि नेल बाइटिंग लड़कियों की अपेक्षा लड़के ज्यादा करते है।

क्रोनिक ओनिकोफागिया

इस समस्या के गंभीर होने पर इसे चिकित्सीय भाषा में 'क्रोनिक ओनिकोफागिया' कहते हैं कि न केवल नाखून बल्कि कई बार नेल बाइटर्स अपने नाखून के आसपास की सॉफ्ट टिशू को भी काट लेते हैं। हालांकि मुख्य रूप से तनाव की स्थिति में पैदा होने वाले नाखून करतने की आदत की शुरुआत अनजाने में होती है।

कुछ मामलों में नेल बाइटिंग को इमोशनल और मेंटल डिसऑर्डर का लक्षण भी कहा जाता है। कई लोगों में बोरियत या स्ट्रेस के रिएक्शन के रूप में इसकी शुरुआत होती है। मजेदार बात तो यह है कि कई बच्चे सोते वक्त भी नेल बाइटिंग करते हैं। नेल बाइटिंग की गंदी हैबिट की चपेट में सबसे ज्यादा टीन्स ही आते हैं।हालांकि नेल बाइटर्स के लिए यह हैबिट स्ट्रेस कम करने का जरिया हो सकती है लेकिन वास्तविकता यह है कि इस हैबिट वाले टीन्स किसी भी परिस्थिति में नेल बाइटिंग करने लगते हैं।

नेल बाइटिंग से इमेज खराब

नेल बाइटिंग से किसी भी व्यक्ति की इमेज तो खराब होती ही है, साथ ही इससे कई बीमारियां और चिड़चिड़ापन भी शुरूहो जात है। इसलिए तुम्हें इस बात की जानकारी जरूरी है कि यह कैसे और क्यों शुरूहोता है-

जब व्यक्ति बहुत ज्यादा स्ट्रेस से गुजरता है तो वह अपने नाखून चबाने लगता है, ऐसा करना उसे स्ट्रेस-बस्टर जैसा लगता है। लोगों को लगता है कि नेल बाइटिंग के जरिये वे स्ट्रेस का सामना आसानी से कर सकते हैं।

जब कोई व्यक्ति किसी बात को लेकर खुद को अपराधी महसूस करता है, तो वह नेल बाइटिंग शुरू कर देता है। व्यवहार के वर्गीकरण में नेल बाइटिंग को ओबेसिव कम्पलसिव डिसऑर्डर नाम से पुकारा जाता है।

नेल बाइटिंग की वजह केमेस्ट्री ऑफ ब्रेन

वर्तमान में इस डिसऑर्डर के नाम को बदलकर बॉडी-फोकस्ड-रेपेटेटिव-डिसऑर्डर कर दिया गया है। इस डिसऑर्डर के डेवलप होने के कारणों में केमेस्ट्री ऑफ ब्रेन भी माना जाता है। यह बुरी आदत वंशानुगत भी होती है। अगर परिवार में इसका इतिहास है तो बच्चे इस हानिकारक आदत का शिकार हो सकते हैं।

अगर कोई अपने आप नेल बाइटिंग की आदत में फंसा है या उसमें यह आदत विकसित हो जाती है तो यह भी हो सकता है कि उसके पैरेंट्स में ऐसी आदत हो। ओरल फिक्सेशन भी इसका कारण होता है कि ओरल फिक्सेशन स्टेट ऑफ माइंड है जिसमें व्यक्ति यह महसूस करता है कि उसके मुंह में हमेशा कुछ न कुछ है।

सब्कॉन्शियस स्टेट का नतीजा

अधिकतर यह सब्कॉन्शियस स्टेट में होता है और व्यक्ति बिना किसी कारण के नेल बाइटिंग शुरूकर देता है। कुछ लोगों का मानना है कि ओरल फिक्सेशन को हिप्नोसिस के जरिये ट्रीट किया जा सकता है।

नेल बाइटिंग अनकॉन्शियसली भी किया जाता है। जब कोई व्यक्ति किसी एक्टिविटी में बहुत गहराई से जुड़ा हो ता है तो वह अनकॉन्शियसली नेल बाइटिंग शुरूकर देता है, जैसे टीवी देखते और पढ़ते वक्त आदि।

कई लोग तो जब भूखे होते हैं तो नेल बाइटिंग शुरूकर देते हैं. यह बच्चों और बड़ों, दोनों में कॉमन है। तुम्हें जानकर आश्चर्य होगा कि कुछ लोग सोते वक्त भी नेल बाइटिंग करते हैं। बहुत ज्यादा नेल बाइटिंग एक्सट्रीम एंजाइटी या कम्पलसिव बिहेवियर का लक्षण है. अत्यधिक उत्तेजना या इसकी कमी भी इस हैबिट को बढ़ाने में सहायक है।

नेल बाइटिंग के कारणों को समझना बहुत जरूरी है क्योंकि यह बुर आदत बहुत ही घातक परिणाम देने वाली होती है। नेल बाइटिंग जैसे बुरी आदत में पड़ने से पहले इन कारणों और नतीजों को ध्यान मे र ख ना जरूरी है।

अकबर-बीरबल और ऊँट की गर्दन

अकबर बीरबल की हाजिर जवाबी के बड़े कायल थे। एक दिन दरबार में खुश होकर उन्होंने बीरबल को कुछ पुरस्कार देने की घोषणा की। लेकिन बहुत दिन गुजरने के बाद भी बीरबल को धनराशि (पुरस्कार) प्राप्त नहीं हुई। बीरबल बड़ी ही उलझन में थे कि महाराज को याद दिलायें तो कैसे?

एक दिन महाराजा अकबर यमुना नदी के किनारे शाम की सैर पर निकले। बीरबल उनके साथ था। अकबर ने वहाँ एक ऊँट को घुमते देखा। अकबर ने बीरबल से पूछा, ''बीरबल बताओ, ऊँट की गर्दन मुड़ी क्यों होती है''?

बीरबल ने सोचा महाराज को उनका वादा याद दिलाने का यह सही समय है। उन्होंने जवाब दिया महाराज यह ऊँट किसी से वादा करके भूल गया है, जिसके कारण ऊँट की गर्दन मुड़ गयी है। महाराज, कहते हैं कि जो भी अपना वादा भूल जाता है तो भगवान उनकी गर्दन ऊँट की तरह मोड देता है।यह एक तरह की सजा है। तभी अकबर को ध्यान आता है कि वो भी तो बीरबल से किया अपना एक वादा भूल गये हैं। उन्होंने बीरबल से जल्दी से महल में चलने के लिये कहा और महल में पहुँचते ही सबसे पहले बीरबल को पुरस्कार की धनराशी उसे सौंप दी और बोले मेरी गर्दन तो ऊँट की तरह नहीं मुडेगी बीरबल।और यह कहकर अकबर अपनी हँसी नहीं रोक पाए।और इस तरह बीरबल ने अपनी चतुराई से बिना मांगे अपना पुरस्कार राजा से प्राप्त किया।

सीईआईबी ने बैंकों के लिए पेश किया एक पोर्टल

- संभावित कर्जदारों और एनपीए के पूर्व-सत्यापन में मददगार होगा

नई दिल्ली । केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी) ने बैंकों के लिए एक पोर्टल पेश किया, जो संभावित कर्जदारों और एनपीए के पूर्व-सत्यापन में मददगार होगा। इस पोर्टल से कर्ज देने के लिए खुफिया मंजूरी प्रक्रिया को कारगर बनाने में मदद मिलेगी। सीईआईबी के एक महानिदेशक अमित मोहन गोविल और एसबीआई के चेयरमैन दिनेश खारा ने इस सप्ताह की शुरुआत में मुंबई में सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के साथ एक बैठक के दौरान पोर्टल की पेशकश की। भारतीय बैंक संघ ने एक बयान में कहा कि इस पोर्टल का मकसद बैंकों को कर्ज देते समय सही फैसला करने के लिए तेजी से जानकारी उपलब्ध कराना है। वित्त मंत्रलय के वित्तीय सेवा विभाग द्वारा 13 मई, 2015 और छह नवंबर, 2019 को जारी बड़ी धनराशि वाली बैंक धोखाधड़ी का समय से पता लगाने, सूचना देने, जांच आदि के लिए रूपरेखा के अनुसार सभी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक (पीएसबी) चाहते हैं कि नए कजदार को 50 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज मंजूर करने से पहले उन्हें इस संबंध में सीईआईबी की रिपोर्ट मिल जाए। इसके अलावा मौजूदा कजदार का खाता एनपीए में बदले की सूरत में भी रिपोर्ट देने की बात कही गई। बयान में कहा गया है कि इस अनुरोध के बाद सीईआईबी ने रिपोर्ट मांगने के लिए एक समान प्रारूप तैयार किया और सभी पीएसबी को नोडल अधिकारी नियुक्त करने की सलाह दी। बयान के मुताबिक बैंकों ने अपनी ओर से नोडल अधिकारी नियुक्त किए हैं और नोडल अधिकारियों की सूची आईबीए द्वारा सीईआईबी के साथ साझा की गई है। इसके अलावा ऋणदाताओं के साथ संवाद करने के लिए एक अलग ईमेल आईडी बनाई गई है।

अगले साल मार्च तक नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता बढ़ने की उम्मीदः इक्रा

नई दिल्ली । भारत में स्थापित नवीकरणीय ऊर्जा (आरई) क्षमता बढ़कर मार्च 2025 तक 170 गीगावॉट तक पहुंचने की उम्मीद है। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने यह अनुमान जताया। इसमें बड़े पनबिजली संयंत्र शामिल नहीं हैं। भारत की स्थापित आरई क्षमता दिसंबर 2023 में 135 गीगावॉट थी। बयान में कहा गया है कि आरई उत्पादन रुक-रुक कर होने की स्थिति को देखते हुए इन स्रोतों से 24 घंटे आपूर्ति महत्वपूर्ण बनी हुई है। एजेंसी ने सुझाव दिया कि पवन और सौर ऊर्जा परियोजनाओं के साथ ऊर्जा भंडारण प्रणालियों के जरिये इसे संभव बनाया जा सकता है। बयान के अनुसार इक्रा को उम्मीद है कि भारत में जल ऊर्जा को छोड़कर स्थापित आरई क्षमता दिसंबर 2023 के 135 गीगावॉट से बढ़कर मार्च 2025 तक लगभग 170 गीगावॉट हो जाएगी। नवीकरणीय क्षमता वृद्धि को चालू वित्त वर्ष में निविदा गतिविधि में महत्वपूर्ण सुधार से समर्थन मिलने की संभावना है।

किया इंडिया ने वापस मंगाईं 4,358 सेल्टोस

मुंबई । किया इंडिया इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक को बदलने के लिए अपने स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन सेल्टोस के पेट्रोल संस्करण की 4,358 गाड़ियों को वापस मंगा रही है। दक्षिण कोरिया की वाहन कंपनी ने कहा कि वह 28 फरवरी से 13 जुलाई, 2023 के बीच विनिर्मित आईवीटी ट्रांसमिशन के साथ स्मार्टस्ट्रीम जी1.5 पेट्रोल सेल्टोस को वापस मंगा रही है। बयान में कहा गया कि इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक में खामी की आशंका को देखते हुए वाहनों को वापस मंगाया जा रहा है। कंपनी ने वाहन वापस मंगाये जाने की पहल के बारे में सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय को सूचित कर दिया है। बयान के अनुसार चूंकि कार मालिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है, इसलिए कंपनी प्रभावित गाड़ियों में इलेक्ट्रॉनिक तेल पंप नियंत्रक को सक्रियता के साथ बदल रही है। इस बारे में सूचित करने के लिए सीधे संबंधित वाहन मालिकों से खुद संपर्क करेगी।

फोन स्क्रीन पर कॉलर का नाम दिखाने वाली सेवा शुरू होना चाहिएः ट्राई

नई दिल्ली ।

दूरसंचार नियामक ट्राई ने दूरसंचार नेटवर्क में कॉल करने वाले का नाम फोन स्क्रीन पर दिखाने वाली सेवा शुरू करने की सिफारिश की है।

भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण (ट्राई) ने अपनी सिफारिश में कहा कि कॉलिंग नेम प्रेजेंटेशन (सीएनएपी) अनुपूरक सेवा के तहत मोबाइल फोन की स्क्रीन पर कॉल करने वाले का नाम प्रदर्शित करने की व्यवस्था शुरू की जाए। हालांकि यह सुविधा ग्राहक के अनुरोध पर ही सभी दूरसंचार कंपनियां मुहैया कराएंगी। इस सुविधा के शुरू होने पर अक्सर आने वाली अनचाही कॉल से छुटकारा पाने में काफी मदद मिलेगी।

सीएनएपी सुविधा चालू होने पर ग्राहक अपने फोन की स्क्रीन पर कॉलर का नाम देख पाएगा। ट्राई ने कहा कि सरकार को एक तय तारीख के बाद भारत में बेचे जाने वाले सभी फोन में सीएनएपी सुविधा उपलब्ध कराने के लिए दूरसंचार कंपनियों को उपयुक्त निर्देश जारी करना चाहिए। मोबाइल फोन कनेक्शन लेते समय भरे जाने वाले ग्राहक आवेदन पत्र (सीएएफ) में दिए गए नाम एवं पहचान विवरण का इस्तेमाल सीएनएपी सेवा के दौरान किया जा सकता है।

जहां देशी स्मार्टफोन टूल और टूकॉलर एवं भारत कॉलर जैसे ऐप भी कॉल करने वाले के नाम की पहचान और स्पैम पहचान की सुविधाएं देते हैं। लेकिन ये सेवाएं लोगों से जुटाए गए आंकड़ों पर आधारित हैं जो हमेशा विश्वसनीय नहीं होती हैं। दूरसंचार नियामक ने सुझाव दिया कि सभी एक्सेस सेवा प्रदाता अपने टेलीफोन ग्राहकों को उनके अनुरोध पर सीएनएपी सेवा मुहैया कराएं। ट्राई ने नवंबर, 2022 में इस संबंध में एक परामर्श पत्र जारी कर हितधारकों, जनता और उद्योग की टिप्पणियां मांगी थीं।

कई राज्यों में बढ़े पेट्रोल और डीजल के भाव

नई दिल्ली । वैश्विक बाजारों में कच्चे तेल में तेजी के बाद ऊपरी स्तरों से गिरावट देखने को मिली है। शुक्रवार को ब्रेंट क्रूड एक फीसदी टूटकर 82.76 डॉलर प्रति बैरल पर बंद हुआ। इस बीच देश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने शे निवार को पेट्रोल और डीजल के नए भाव जारी कर दिए हैं। भारत में हर सुबह 6 बजे ईंधन की कीमतों में संशोधन किया जाता है। जून 2017 से पहले कीमतों में संशोधन हर 15 दिन के बाद किया जाता था। शनिवार को गुजरात, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर में ईंधन की कीमतें घटी हैं। वहीं पश्चिम बंगाल, उत्तर प्रदेश, कर्नाटक और केरल में पेट्रोल-डीजल के भाव में हल्की बढ़ोतरी देखी जा रही है। दिल्ली में पेट्रोल 96.72 रुपये और डीजल 89.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 106.31 रुपये और डीजल 94.27 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 106.03 रुपये और डीजल 92.76 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 102.63 रुपये और डीजल 94.24 रुपये प्रति लीटर, नोएडा में पेट्रोल 97.00 रुपये और डीजल 89.86 रुपये प्रति लीटर हो गया है। गाजियाबाद में 96.58 रुपये और डीजल 89.42 रुपये प्रति लीटर हो गया है। लखनऊ में पेट्रोल 96.62 रुपये और डीजल 89.77 रुपये प्रति लीटर हो गया है। पटना में पेट्रोल 107.24 रुपये और डीजल 94.04 रुपये प्रति लीटर हो गया है।

बैंकों में तेज वृद्धि और मुनाफे का दौर थमने वाला है!

मुंबई । भारतीय बैंक लंबे समय तक तेज वृद्धि करते रहे और उन्होंने तगड़ा मुनाफा भी कमाया मगर यह दौर अब थमने वाला है।

एक ब्रोकरेज कंपनी ने कहा कि कई तरह की चुनौतियों के कारण बैंकों के लिए यह गोल्डीलॉक्स युग निकट भविष्य में खत्म होने वाला है। ब्रोकरेज कंपनी ने जारी अपनी रिपोर्ट में भारतीय स्टेट बैंक और आईसीआईसीआई बैंक को डाउनग्रेड भी कर दिया। अभी तक वह दोनों को खरीदने की सिफारिश कर रही थी मगर अब उन्हें तटस्थ की श्रेणी में डाल दिया है। रिपोर्ट में बजाज फाइनैंस को तटस्थ की श्रेणी से हटाकर बेचने की सलाह भी दी गई है। मगर अक्टूबर-दिसंबर के वित्तीय नतीजे जारी करने के बाद पिछले महीने से ही बिकवाली झेल रहे एचडीएफसी बैंक के शेयर को कंपनी ने 33 फीसदी ऊपर उठाते हुए खरीदने की सलाह दी है। 16 जनवरी को 17.5 फीसदी तक लुढ़का यह शेयर अब 2.7 फीसदी चढ़ चुका है। ब्रोकिंग फर्म ने रिपोर्ट में कहा कि 2019-20 से ही संपत्तियों पर रिटर्न में अच्छी खासी वृद्धि देख रहे भारतीय बैंकों के लिए यह रफ्तार अब धीमी हो जाएगी क्योंकि मार्जिन में कमी और ऋण-जमा अनुपात ज्यादा हो जाने जैसी कई चुनौतियां सामने आ गई हैं। इन सभी का ऋण वृद्धि पर असर होगा। रिपोर्ट में कहा गया है कि बैंकिंग क्षेत्र को अपनी बैलेंस शीट दुरुस्त करनी होगी और क्षमता निर्माण भी करना होगा। इस कारण आय पर लागत का स्तर ज्यादा ही रहेगा।

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार रहा

मुंबई ।

वैश्विक बाजारों में मिलेजुले संकेतो की वजह से बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव भरा कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह की शुरुआत में सोमवार को कारोबार में तेजी देखी गई ले किन बाद के चार दिन बाजार में कभी तेजी तो कभी गिरावट का दौर चलता रहा। वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत बढ़त के साथ हुई। बीएसई सेंसेक्स 82 अंक बढ़कर 72,509 पर खुला और 282 अंक की बढ़त के साथ 72,708.16 अंक पर बंद हुआ। वहीं एनएसई का निफ्टी 43 अंक की बढ़त के साथ 22,083 पर खुला और 82 अंक की बढ़त के साथ 22,122.25 पर बंद हुआ। शेयर बाजार में हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 150 अंकों तक फिसल गया और 24.80 अंकों की गिरावट के साथ 72,683.36 पर खुला और 349 अंक बढ़कर 73,057 पर बंद हुआ। निफ्टी 10.41 अंक फिसलकर 22,111.85 पर खुला और 75 अंक की बढ़त के साथ 22,197 अंक पर बंद हुआ। भारतीय इक्विटी इंडेक्स बुधवार को लगातार सातवें दिन बढ़त के साथ खुले।

बीएसई सेंसेक्स 68 अंक बढ़कर 73,125 पर खुला और 434 अंक की गिरावट के साथ 72,623 पर बंद हुआ। निफ्टी

18 अंक की बढ़त के साथ 22,215 पर खुला और 141 अंक की गिरावट के साथ 22,055 पर बंद हुआ। गुरुवार को भारतीय शेयर बाजार में सपाट नोट पर कारोबार की शुरुआत हुई। सेंसेक्स 198.88 अंकों की गिरावट के साथ 72,424.22 पर खुला और 535 अंक बढ़कर 73,158 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.45 अंक के नुकसान के साथ 21,992.60 पर खुला और 162 अंक ऊपर 22,217 के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स 114 अंक बढ़कर 73,273 के स्तर पर खुला और 15.44 अंकों की गिरावट के साथ 73,142.80 पर बंद हुआ। निफ्टी 41 अंक की बढ़त के साथ 22,258 पर खुला और 4.75 अंक नीचे 22,212.70 के स्तर पर बंद हुआ।

वैश्विक सूची में 10 ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन में एप्पल शीर्ष 7 स्थान पर

नई दिल्ली ।

एप्पल ने पहली बार 2023 में 10 सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन की वैश्विक सूची में शीर्ष सात स्थानों पर अपना कब्जा कर लिया है। एक रिपोर्ट से पता चला कि भारत एक ही वर्ष में 1 करोड़ से अधिक आईफोन यूनिट बिक्री करने वाला पांचवां स्मार्टफोन बाजार बन गया है। इसमें कहा गया है कि शीर्ष 10 स्मार्टफोन की संयुक्त बाजार हिस्सेदारी 2023 में अब तक के उच्चतम 20 प्रतिशत पर पहुंच गई, जो 2022 में 19 प्रतिशत थी। एप्पल का आईफोन14 सबसे ज्यादा बिकने वाला स्मार्टफोन है, जिसकी आधी संख्या में बिक्री अमेरिका और चीन में हुई। आईफोन15 सीरीज ने क्यू 2023 के लिए वैश्विक बेस्टसेलर सूची में शीर्ष तीन स्थानों पर कब्जा कर लिया, आईफोन15 प्रो मैक्स सबसे अधिक बिकने वाला स्मार्टफोन बन गया। एप्पल का आईफोन13, सूची में सबसे पुराना मॉडल, जापान और भारत में दो अंकों की सालाना वृद्धि के साथ चौथे स्थान पर बना हुआ है। सैमसंग की बजट ए सीरीज ने अपने मजबूत मूल्य प्रस्ताव और

विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों और ग्राहक श्रेणियों में मौजूदगी के कारण शीर्ष 10 सूची में तीन स्थान हासिल किए।

सैमसंग गैलेक्सी ए14 5जी ने अमेरिका और भारत में उच्च बिक्री के कारण सातवां स्थान हासिल किया।रिपोर्ट में कहा गया है, 'हमें उम्मीद है कि 2024 के शीर्ष 10 सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोन कुल स्मार्टफोन बिक्री का एक बड़ा हिस्सा प्रतिनिधित्व करेंगे, क्योंकि ओईएम कम पोर्टफोलियो पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। यह भी कहा गया है कि हम उम्मीद करते हैं कि चीनी ब्रांड सूची में प्रवेश करेंगे और ओईएम द्वारा तेजी से 5जी-केवल मॉडल लॉन्च करने के साथ 2024 के शीर्ष 10 संभवतः सिर्फ 5 होंगे।

यूरोपीय संघ ने भारतीय कंपनी सहित 27 पर निर्यात पाबंदी लगाई

लंदन ।

यूरोपीय संघ (ईयू) ने भारत में पंजीकृत एक कंपनी समेत 27 कंपनियों के खिलाफ निर्यात प्रतिबंध लगाने घोषणा की। नवीनतम प्रतिबंधों की घोषणा रूस-यूक्रेन संघर्ष के दो साल पूरे होने के अवसर पर की गई। यूरोपीय संघ के प्रतिबंधों की नवीनतम घोषणा में इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बनाने वाली कंपनियां शामिल हैं। यूरोपीय संघ का मानना है कि ये कंपनियां सैन्य एवं असैन्य के दोहरे उपयोग वाले उपकरणों का निर्यात कर रही हैं। हालांकि इन कंपनियों के नाम अभी तक सार्वजनिक नहीं किए गए हैं। नामों की सूचना यूरोपीय संघ की आधिकारिक पत्रिका में बाद में प्रकाशित की जाएगी। यूरोपीय संघ की प्रशासनिक इकाई यूरोपीय आयोग के एक आधिकारिक बयान के मुताबिक व्यापार और सीमा शुल्क डेटा द्वारा समर्थित विभिन्न स्रोतों से मिले पुख्ता सबूतों के आधार पर इस सूची में 27 रूसी और तीसरे देश की कंपनियों को रूस के सैन्य-औद्योगिक परिसर से जुड़ी संस्थाओं की सूची में जोड़ा गया है। इस सूची में शामिल 17 रूसी कंपनियां ड्रोन उत्पादन में उपयोग किए जाने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के कारोबार से जुड़ी हुई हैं। चार कंपनियां चीन में पंजीकृत हैं जबकि कजाकिस्तान, भारत, सर्बिया, थाईलैंड, श्रीलंका और तुर्किये में भी पंजीकृत कंपनियां इसमें शामिल हैं।

भारत में एंट्री लेवल हैचबैक रेनो क्विड की बिक्री जारी

-कार में आल्टो से है बेहतर डिजाइन

नई दिल्ली ।

फ्रांस की कार निर्माता इंडियन मार्केट में अपनी एंट्री लेवल हैचबैक रेनो क्विड की बिक्री कर रही है। कम कीमत में आने के बावजूद इस कार में आल्टो से बेहतर डिजाइन मिलता है। रेनो क्विड को पहले 0.8 लीटर और 1.0 लीटर इंजन में बेचा जा रहा था, लेकिन अब कंपनी ने इसके 0.8 लीटर इंजन को बंद कर दिया है। यह हैचबैक अब केवल 1.0 लीटर पेट्रोल इंजन में आती है। यह इंजन 67.06 बीएचपी की अधिकतम पॉवर और 91 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। यह कार मैनुअल और ऑटोमैटिक, दोनों तरह के गियरबॉक्स विकल्प में आती है। वहीं इसमें 21-22 किलोमीटर प्रति लीटर का माइलेज मिल जाता है। रेनो क्विड में इंडियन स्टैंडर्डस के अनुसार सभी जरूरी सेफ्टी फीचर्स दिए गए हैं। इसमें इलेक्ट्रॉनिक स्टेबिलिटी कंट्रोल, ट्रैक्शन कंट्रोल सिस्टम, टायर प्रेशर मॉनिटरिंग सिस्टम, डुअल फ्रंट एयरबैग जैसे फीचर्स मिल जाते हैं। इसके अलावा क्विड में ईबीडी, एबीएस, सीट बेल्ट रिमाइंडर, स्पीड अलर्ट, स्पीड सेंसिंग डोर लॉक, सीट बेल्ट लोड लिमिटर, सीट बेल्ट प्रीटेंशनर सहित सेगमेंट में सबसे अधिक सेफ्टी फीचर्स भी मिलते हैं। रेनॉ क्विड की दिल्ली एक्स-शोरूम कीमत 4.7 लाख रुपये से शुरू होकर 6.32 लाख रुपये तक जाती है। कंपनी इसे चार वैरिएंट आरएक्सई, आरएक्सएल (ओ), आरएक्सटी और क्लाइंबर में बेच रही है। मालूम हो कि भारतीय कार बाजार की एक खासियत यह है कि यहां हर तरह के बजट वालों के लिए कारें मौजूद हैं।

सबसे कम बजट वालों के लिए एंट्री लेवल कारों के भी कई ऑप्शन उपलब्ध हैं। इन कारों के वजह से ही आज आम आदमी एक कार खरीदने का शौक पूरा कर पा रहा है।

भारत अनुचित कार्बन उत्सर्जन आदेश स्वीकार नहीं करेगाः डीपीआईआईटी

नई दिल्ली ।

भारत कार्बन उत्सर्जन पर किसी भी अनुचित आदेश को स्वीकार नहीं करेगा, लेकिन इस दिशा में अपनी प्रतिबद्धता से अधिक काम करेगा। उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने यह बात कही। उन्होंने हाल ही में आवाना-स्टार्टअप इंडिया जलवायु चुनौती कार्यक्रम में कहा कि भारत का लक्ष्य 2070 तक शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन वाला देश बनना है। अधिकारी ने कहा कि हमने एक व्यापक लक्ष्य को स्वीकार किया है। हालांकि, भारत का मानना है कि हम ऐतिहासिक रूप से कार्बन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। प्रति व्यक्ति उत्सर्जन के लिहाज से भी ऐसा नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का नजरिया हमेशा यह रहा है कि हम अनुचित आदेश स्वीकार नहीं करेंगे, लेकिन हमने जितना वादा किया है उससे कहीं अधिक करके दिखाएंगे। भारत पहले ही 180 गीगावाट की दुनिया की चौथी सबसे बड़ी नवीकरणीय ऊर्जा

क्षमता का निर्माण कर चुका है। उन्होंने कहा कि हम अपने एसडीजी लक्ष्यों से काफी आगे हैं। भारत के हरित भविष्य की ओर बढ़ने के साथ ऊर्जा परिवर्तन की यात्रा में स्टार्टअप अपने नवाचार के जरिए बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

बायजू की बैठक में रवींद्रन को पद से हटाने का प्रस्ताव पारित

मुंबई ।

एडटेक फर्म बैजूस की निवेशक प्रोसस ने कहा कि कंपनी के निवेशकों ने बैजूस की असाधारण आम बैठक (ईजीएम) में कंपनी के संस्थापक बैजू रवींद्रन को मुख्य कार्याधिकारी पद से हटाने सहित सभी प्रस्तावों को पारित कर दिया। कंपनी के प्रमुख निवेशकों ने यह ईजीएम बुलाई थी। उन्होंने कंपनी के निदेशक मंडल को बदलने और बैजू रवींद्रन की पत्नी और कंपनी की सह-संस्थापक दिव्या गोकुलनाथ तथा उनके भाई ऋजु रवींद्रन को बोर्ड से हटाने के प्रस्ताव को भी पारित कर दिया। रवींद्रन और उनका परिवार इस बैठक में शामिल नहीं हुआ। हालांकि बैजूस ने कहा कि पारित प्रस्ताव अमान्य और बेमानी हैं। इसमें कहा गया है कि जिन प्रस्तावों को लागू नहीं किया जा सकता, उसका पारित होना कानून के नियमों को चुनौती देना है। प्रोसस ने कहा कि असाधारण आम बैठक में शेयरधारकों ने सर्वसम्मति से सभी प्रस्तावों को पारित करने के लिए मतदान किया। इन प्रस्तावों में बैजूस में कारोबार संचालन में खामियां, वित्तीय कुप्रंधन तथा अनुपालन के मुद्दे शामिल थे। निदेशक मंडल के पुनर्गठन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई, इसलिए अब इस पर संस्थापक की थिंक ऐंड लर्न का नियंत्रण नहीं होगा और कंपनी के नेतृत्व में भी बदलाव होगा। प्रोसस ने कहा कि शेयरधारकों और प्रमुख निवेशक के तौर पर हम ईजीएम बैठक और इसके निर्णय की वैधता को लेकर अपनी स्थिति के प्रति आश्वस्त हैं। अब इसे हम कर्नाटक उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। निवेशकों से जुड़े सूत्रों के अनुसार 60 फीसदी से अधिक मतदान का अधिकार रखने वालों ने प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। बैजूस के संस्थापकों के पास 23 से 25 फीसदी मताधिकार है।

ट्रेन में खाना सप्लाई करने आईआरसीटीसी ने स्वीगी से किया करार

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे का उपक्रम इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉर्पोरेशन (आईआरसीटीसी) ने ई-कैटरिंग पोर्टल के माध्यम से यात्रियों के प्री-ऑर्डर खाने की डिलीवरी के लिए स्विगी के साथ करार किया है। शुरू में यह सुविधा 4 रेलवे स्टेशनों पर उपलब्ध होगी। स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में आईआरसीटीसी कहा कि उसने फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी फूड्स की पेरेंट कंपनी बंडल टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड के साथ समझौता किया है। समझौते के तहत पहले चरण में बेंगलुरु, भुवनेश्वर, विजयवाड़ा और विशाखापत्तनम रेलवे स्टेशनों पर प्री-ऑर्डर मील की डिलिवरी की सुविधा जल्द शुरू की जाएगी। इससे पहले अक्टूबर 2023 में आईआरसीटीसी ने जोमैटो के साथ करार किया था। गौरतलब है कि आईआरसीटीसी भारतीय रेलवे की खानपान और टिकटिंग आर्म है, जो ट्रेनों में फूड सर्विसेज मैनेज करती है और ऑनलाइन टिकट बुकिंग सर्विसेज प्रदान करती है। आईआरसीटीसी ने यात्रियों के लिए साल 2014 में ई-कैटरिंग सेवाएं शुरू की थीं ताकि यात्री पसंदीदा भोजन ऑर्डर कर सकें।

यह ऑर्डर ट्रेनों में यात्रा करते समय किया जा सकता है और इसे संबंधित रेलवे स्टेशन पर अपनी सीटों पर पहुंचाया जा सकता है। यह ऑर्डर आप आईआरसीटीसी ई-कैटरिंग की आधिकारिक वेबसाइट के जरिए कर सकते हैं। इसके अलावा रेलयात्री फूड आन ट्रैक ऐप के जरिए ऑर्डर कर सकते हैं।

106 रन बनाकर जो रूट ने शानदार पारी खेली

रांची। इंग्लैंड के सलामी बल्लेबाज जाक क्राउली ने शुक्रवार को कहा कि जो रूट ने 106 रन बनाकर शानदार पारी खेली है। हालांकि लंबे समय से शतक नहीं जड़ने वाले जो रूट से बड़ी पारी की उम्मीद थी और इस अनुभवी बल्लेबाज ने परिस्थितियों को देखते हुए भारत के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन नाबाद 106 रन बनाकर शानदार पारी खेली। हालों कि लंच तक इंग्लैंड की आधी टीम 112 रन पर पवेलियन लौट चुकी थी और रूट की नाबाद 106 रन की पारी से स्टंप तक सात विकेट पर 302 रन बनाने में सफल रही। क्राउली ने दिन का खेल खत्म होने के बाद कहा कि वह अविश्वसनीय है। हमें उससे इस श्रृंखला में किसी भी समय अच्छा स्कोर बनाने की उम्मीद थी। उन्हें बड़ी पारी खेलनी ही थी। वह हमारे सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और आज उन्होंने बेहतरीन पारी खेली। उन्होंने आगे कहा कि वह अपने खेल पर इतनी मेहनत करते हैं और हमेशा बेहतरीन प्रदर्शन करते हैं, वह तारीफ के हकदार हैं। उन्होंने कहा कि हमें जरूरत थी कि वे रन बनाए और उन्होंने इतने साल से जो किया है, वैसा ही स्कोर बनाया है, क्यों कि वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं।

सीजन 2 में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना चाहता है गुजरात जायंट्स

बेंगलुरु,

डब्ल्यूपीएल का दूसरा सीजन शुरू हो गया है और सबसे पसंदीदा टीमों में से एक, अदानी स्पोर्ट्सलाइन के स्वामित्व वाली गुजरात जायंट्स रविवार को गत चैंपियन मुंबई इंडियंस के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार है। ऑस्ट्रेलियाई रन-मशीन बेथ मूनी की कप्तानी वाली गुजरात जायंट्स टीम इस साल धूम मचाने को बेताब है। पहले मैच से पूर्व, मुख्य कोच माइकल क्लिंगर, संरक्षक और सलाहकार मिताली राज, कप्तान मूनी और उप-कप्तान स्नेह राणा ने सीज़न के लिए अपनी तैयारी के बारे में विस्तार से बात की। बेथ मूनी ने कहा, समूह में वास्तव में एक उत्कृष्ट प्रकार का उत्साह है क्योंकि यह पिछले कुछ समय से एक साथ है। हमने पिछले सप्ताह कुछ चीज़ों पर काम किया और वे सफल रहीं। इसलिए, पहले मैच को लेकर काफी उत्सुकता है। और मुझे पता है कि कल रात मैदान में उतरने वाली 11 खिलाड़ी इसका पूरा फायदा उठाएंगी और अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करेंगी। अपने कप्तान के विचारों को दोहराते हुए, भारतीय ऑलराउंडर स्नेह राणा, जिन्होंने पिछले साल मूनी के चोटिल होने के बाद गुजरात जायंट्स का नेतृत्व किया था, ने कहा कि टीम अच्छी स्थिति में है। अब तक हमारा अनुभव अच्छा रहा है और गुजरात जायंट्स ने सुनिश्चित किया है कि खिलाड़ियों को हर तरह का समर्थन मिले। टीम का मूड बहुत सकारात्मक है. हमने काफी अच्छा प्रदर्शन किया है और टूर्नामेंट की अच्छी शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं। अपने दूसरे सीज़न में, डब्ल्यूपीएल ने मुंबई से बेंगलुरु और नई दिल्ली में स्थानांतरित होने का निर्णय लिया। इस कदम पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, यह अच्छा है कि डब्ल्यूपीएल विभिन्न शहरों में हो रहा है क्योंकि हमारे प्रशंसक पूरे देश में हैं। मेंटर मिताली राज ने कहा, अगर डब्ल्यूपीएल हर शहर में चला जाता है, तो इससे फ्रेंचाइजी को नए दर्शक विकसित करने का मौका मिलता है, जो आकर इसे खेलते हुए देख सकते हैं। इससे टूर्नामेंट और फ्रेंचाइजी की प्रोफाइल में ही सुधार होगा। पूर्व भारतीय कप्तान ने अपनी भूमिका के बारे में बात की और कहा कि उन्हें डब्ल्यूपीएल जैसे बड़े मंच पर गुजरात जायंट्स के साथ काम करने में मजा आ रहा है।

उन्होंने कहा, मैं मेंटर के रूप में इस भूमिका का आनंद ले रही हूं, युवा खिलाड़ियों के साथ काम कर रही हूं, अपना ज्ञान साझा कर रही हूं, उन्हें एक अच्छी जगह पर रहने में मदद कर रही हूं और अपनी भूमिका को अपनी सर्वश्रेष्ठ क्षमता से निभा रही हूं।

साजना के प्रदर्शन से कप्तान हरमनप्रीत कौर हुईं बेहद खुश

नई दिल्ली ।

महिला प्रीमियर लीग में भारतीय खिलाड़ी साजना के प्रदर्शन से हरमनप्रीत कौर बेहद खुश हो गई हैं। बता दें कि मुंबई इंडियंस की रोमांचक जीत के बाद कप्तान हरमनप्रीत कौर खुश दिखीं। 55 रन बनाकर प्लेयर ऑफ द मैच बनी हरमनप्रीत कौर ने मैच के बाद कहा कि आज यह जहां पर खत्म हुआ उससे हम खुश हैं। हमने जिस तरह से खेला उससे वास्तव में खुश हूं। मैं अपने बल्लेबाजी कोच हिमांशु भैया को श्रेय देना पसंद करूंगी। उस ऑस्ट्रेलिया दौरे के बाद, मैं आश्वस्त नहीं थी। उन्होंने मुझे कड़ी प्रैक्टिस कराई और मुझे नई ऊर्जा दी। मैं घरेलू क्रिकेट नहीं खेल रहा था, मुझे अच्छा महसूस नहीं हो रहा था। मानसिक रूप से उस ब्रेक से मुझे मदद मिली। बल्लेबाजी करते समय विकेट ठीक दिख रहा था, हमने सोचा कि अगर हम खेल को गहराई तक ले जाएं तो हम जीत सकते हैं। वहीं, सजना को लेकर उन्होंने कहा कि वह तो अभ्यास सत्र के दौरान भी छक्के लगा रही थी और उसने आज रात हमें यह सब दिखाया। हम पहली 3 गेंदों में खेल खत्म करना चाह रहे थे लेकिन हम जानते हैं कि हमारी बल्लेबाजी में गहराई है। उन्होंने कहा कि सच कहूं तो सजना की वजह से मैं यहां खड़ी हूं। पहले या दूसरे स्थान पर बल्लेबाजी करना मायने नहीं रखता, केवल परिस्थितियों के अनुसार हम बदलाव करते रहते हैं।

ईशान और अय्यर को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर सकती है बीसीसीआई

मुम्बई । युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और बल्लेबाज श्रेयस अय्यर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) रणजी ट्रॉफी से बाहर रहने के कारण इन दोनो को केंद्रीय अनुबंध से बाहर कर सकता है। अय्यर के पास ग्रेड बी जबकि किशन के पास ग्रेड सी अनुबंध है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार आईपीएल के कारण रणजी की उपेक्षा करने से बीसीसीआई अधिकारी नाराज हैं। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने हाल ही में कहा था कि सभी केंद्र-अनुबंधित और भारत ए क्रिकेटरों को घरेलू क्रिकेट में खेलकर अपने को साबित करना होगा। साथ ही कहा था कि राष्ट्रीय टीम में जगह के लिए घरेलू क्रिकेट खेलना अनिवार्य है। इस रिपोर्ट के अनुसार अजीत अगरकर के नेतृत्व में चयनकर्ताओं ने 2023-24 सीजन के लिए केंद्रीय अनुबंधित खिलाड़ियों की सूची पूरी कर ली है जिसे बीसीसीआई जल्द ही जारी करेगा। इसमें घरेलू क्रिकेट में भागीदारी की कमी के कारण किशन और अय्यर को बाहर किया जा सकता है। किशन ने अंतिम बार भारत के लिए नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज में खेला था, इससे पहले वह निजी कारणों से साल के अंत में दक्षिण अफ्रीका दौरे से हट गए थे। इस बीच उन्होंने झारखंड के लिए रणजी ट्रॉफी में प्रतिस्पर्धा नहीं करने का फैसला किया और मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या के साथ बड़ौदा में प्रशिक्षण सत्र में शामिल हुए। वहीं अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ भारत की टीम से बाहर कर दिया गया था, इसके बाद उन्होंने पीठ दर्द का हवाला देते हुए बड़ौदा के खिलाफ मुंबई के आगामी रणजी ट्रॉफी क्वार्टर फाइनल से नाम वापस ले लिया था।

आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली को किया नाउम्मीद

नई दिल्ली ।

दिल्ली कैपिटल्स के लिए महिला प्रीमियर लीग में आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली की टीम को नाउम्मीद कर दिया। हालों कि पहले ही मुकाबले में मुंबई इंडियंस पर जीत यकीनी लग रही थी लेकिन आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाकर दिल्ली की उम्मीदों पर पानी फेर दिया। मैच के बाद दिल्ली कैपिटल्स की कप्तान मेग लैनिंग ने कहा कि विकेट अच्छा था लेकिन मुंबई ने कसी हुई लेंथ से गेंदबाजी की। आम तौर पर यह विकेट गेंदबाजों के लिए अच्छा था। मुंबई ने शुरुआत में काफी अच्छी गेंदबाजी की, जो शायद अंतर था। हमने सोचा कि हम खेल में हैं। हमने इसे आखिरी गेंद तक ले जाने के लिए संघर्ष किया, दुर्भाग्य से ऐसा नहीं हो सका। लेनिंग ने कहा कि अधिकांश भाग में हमने बहुत अच्छी तरह से योजना लागू की। बाएं हाथ के खिलाड़ी के रूप में यास्तिका ने जटिल चीजों को अंजाम दिया।

पहले गेम के लिए हमें एक सप्ताह का समय मिला है यह एक अच्छा प्रयास था। अंत में हम लगभग फंस गए। जब हमने कौर को आउट किया तो हम खेल में थे, लेकिन बाहर आना और पहली ही गेंद पर छक्का जड़ना काफी प्रभावशाली है।

मैच के दौरान कैप्स आखिरी ओवर देने पर मेग ने कहा कि वह दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ अच्छा रहती है। लेकिन आज ऐसा नहीं हुआ। बता दें कि मुंबई ने संजना के आखिरी गेंद पर छक्के की मदद से दिल्ली को 4 विकेट से हरा दिया। इससे पहले मुंबई की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी चुनी। दिल्ली ने पहले खेलते हुए एलिसा कैप्सी के 75 रनों की बदौलत मुंबई को 171 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी मुंबई की ओर से कप्तान हरमनप्रीत कौर ने 55 रन बनाए लेकिन आखिरी ओवर की आखिरी गेंद पर साजना ने छक्का लगाया और अपनी टीम को जीत दिला दी।

संक्षिप्त समाचार

दिवंगत पिता को समर्पित किया आकाश दीप ने अपना परफारमेंस

रांची । भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप ने अपने दिवंगत पिता को टेस्ट पदार्पण में 3 विकेट के शानदार प्रदर्शन को समर्पित किया है। बता दें कि आकाश के पिता का 2015 में निधन हो गया था। आकाश ने कहा कि वह संतुष्ट हैं कि उन्होंने अपने पिता के 'जीवन में कुछ कर दिखाने के सपने को पूरा कर दिया है। आकाश दीप ने पिता रामजीत सिंह का लकवा मारने के बाद निधन हो गया। और 6 महीने के अंदर ही आकाश दीप ने अपने बड़े भाई को खो दिया। इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त होने के बाद आकाश दीप ने पत्रकारों से कहा कि एक साल के अंदर पिता और बड़े भाई को गंवा देने के बाद मैं कुछ करना चाहता था और मैंने क्रिकेट खेलना शुरू किया। मेरे पास गंवाने के लिए कुछ नहीं था, बस कुछ हासिल ही कर सकता था। आकाश दीप ने टेस्ट पदार्पण में अपने स्वप्निल स्पैल में इंग्लैंड के शीर्ष तीन बल्लेबाजों को आउट उसका स्कोर 3 विकेट पर 70 रन कर दिया। इंग्लैंड की आधी टीम लंच तक 112 रन पर पवेलियन लौट चुकी थी। आकाश दीप ने कहा कि मैं इस प्रदर्शन को अपने पिता को समर्पित करता हूं क्योंकि उनका सपना था कि उनका बेटा जीवन में कुछ करे। जब वह जीवित थे तो मैं कुछ नहीं कर सका इसलिए यह प्रदर्शन मेरे पिता के लिए है। उन्होंने कहा कि हर क्रिकेटर का एक ही सपना होता है, टेस्ट में भारत के लिए खेलने का। बस यही मेरा सपना था। उन्होंने कहा कि जब बड़े हो रहे थे तो क्रिकेट के बारे में कुछ नहीं पता था। 2007 के बाद मैं टेनिस क्रिकेट खेलता था और 2016 के बाद ही क्रिकेट के बारे में पता चला। तब से मैं मोहम्मद शमी भाई और दक्षिण अफ्रीका के कागिसो रबाडा का अनुकरण कर रहा हूं।

जडेजा की फिरकी में फंसे रॉबिन्सन और शोएब बशीर

रांची । पांच टेस्ट मैचों की सीरीज के चौथे मुकाबले में इंग्लैंड की टीम पहली पारी 353 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड के खिलाफ रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी काफी कारगर रही। जडेजा ने मैच में 32.5 ओवर की गेंदबाजी में 67 रन देकर कुल 4 विकेट झटके। खास तौर से ओली रॉबिन्सन और शोएब बशीर का विकेट काफी महत्वपूर्ण था। क्योंकि रॉबिन्सन बल्लेबाजी करते हुए टीम इंडिया के लिए सिरदर्द बने हुए थे। रॉबिन्सन ने जो रूट के साथ मिलकर 102 रनों की पार्टनरशिप की थी, लेकिन दूसरे दिन के पहले सेशन में जैसे ही कप्तान रविंद्र जडेजा को गेंद थमाई उन्होंने अपनी फिरकी के जाल में फंसाकर रॉबिन्सन को चलता कर दिया। इसके बाद जडेजा का अगला शिकार बने शोएब बशीर जो अपना खाता भी नहीं खोल सके। इन दो विकेट के साथ ही इंग्लैंड की पारी सुस्त पड़ गई। रांची टेस्ट मैच के दूसरे दिन का खेल जब शुरू हुआ तब जो रूट और रॉबिन्सन अच्छे लय में दिख रहे थे। भारतीय गेंदबाज को हर हाल में विकेट की तलाश की थी। कप्तान ने नई गेंद लेने का फैसला किया। नई गेंद लेते ही रविंद्र जडेजा हावी होने लगे। नई गेंद से जडेजा ने सबसे पहले रॉबिन्स और बशीर को आउट किया। इसके बाद उन्होंने जेम्स एंडरसन का विकेट लेकर इंग्लैंड की पारी का अंत कर दिया। इस तरह इंग्लैंड के आखिरी तीन विकेट जडेजा के नाम रहा।

घरेलू सीरीज के टेस्ट मैचों में टीम इंडिया के 4 प्लेयर्स ने किया डेब्यू

किसी ने लगाए चौके, किसी ने किया नोबॉल पर भी क्लीन बोल्ड

नई दिल्ली । इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज के शुरुआती 4 टेस्ट मैचों में भारत की ओर से 4 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया। इस दौरान सभी का प्रदर्शन बेहतर रहा। हालों कि यह दूसरा मौका है जब भारत की ओर से किसी एक टेस्ट सीरीज में 4 या इससे ज्यादा खिलाड़ियों ने डेब्यू किए हैं। इससे पहले भारत की ओर से 2020-21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर 5 खिलाड़ियों ने डेब्यू किया था जो अभी तक का सर्वाधिक है। रांची टेस्ट मैच में आकाश दीप को डेब्यू का मौका मिला जो मौजूदा सीरीज में भारत के चौथे डेब्यूटेंट हैं। बता दें कि आकाश दीप बिहार में जन्मे हैं लेकिन वह बंगाल की ओर से डोमेस्टिक क्रिकेट खेलते हैं। उनके डेब्यू पर कोच राहुल द्रविड़ ने इमोशनल स्पीच दी। जिसे सुनहर सभी भावुक हो गए। आकाशदीप ने इंग्लैंड की पारी के चौथे ओवर की पांचवीं गेंद पर ओपनर जैक क्राउली को क्लीन बोल्ड कर दिया लेकिन दुर्भाग्व से वो गेंद नोबॉल निकली। बावूजद इसके उन्होंने जबरदस्त गेंदबाजी की। वह पहली पारी में अभी तक 3 विकेट ले चुके हैं। भारत बनाम इंग्लैंड मौजूदा टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया के कई खिलाड़ी चोटिल हो गए।

कप्तान रोहित शर्मा और कोच राहुल द्रविड़ ने इस दौरान 4 नए खिलाड़ियों को मौका दिया। वाइजैग में खेले गए दूसरे टेस्ट मैच में रजत पाटीदार को चोटिल केएल राहुल की जगह डेब्यू का मौका मिला। इसके बाद राजकोट टेस्ट मैच में भारत ने सरफराज खान और ध्रुव जुरेल को डेब्यू का मौका दिया। सरफराज खान ने डेब्यू टेस्ट मैच की दोनों पारियों में धमाकेदार अर्धशतक जड़ा। रांची टेस्ट मैच में जसप्रीत बुमराह को आराम दिया गया। उनकी जगह आकाश दीप को टेस्ट में डेब्यू का मौका मिला। आकाश दीप ने शुरुआती 3 विकेट लेकर सभी को प्रभावित किया। इससे पहले भारत ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर शुभमन गिल, वॉशिंगटन सुंदर, मोहम्मद सिराज, नवदीप सैनी और टी नटराजन सहित कुल 5 खिलाड़ियों का एक सीरीज में डेब्यू कराया था। हालांकि गिल ने मेलबर्न टेस्ट में डेब्यू किया था जबकि सिडनी टेस्ट मैच में नवदीप सैनी और मोहम्मद सिराज ने पदार्पण किए। इसके बाद गाबा टेस्ट मैच में पेसर टी नटराजन और वॉशिंगटन सुंदर को डेब्यू कैप मिला जहां भारत ने इतिहास रचा।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच शॉपमैन ने दिया इस्तीफा

नई दिल्ली ।

भारतीय महिला हॉकी टीम की मुख्य कोच यानेक शॉपमैन ने मुख्य कोच पद से इस्तीफा दे दिया है। दरअसल उन्होंने राष्ट्रीय महासंघ द्वारा सम्मान और अहमियत नहीं दिये जाने का दावा करके हंगामा करने के कुछ दिन बाद शुक्रवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। बता दें कि डच कोच ने 2021 में सोर्ड मरीन की जगह ली थी जिन्होंने टीम को तोक्यो ओलंपिक में ऐतिहासिक चौथे स्थान पर पहुंचाया था। शॉपमैन का अनुबंध इस साल पेरिस ओलंपिक के बाद अगस्त में समाप्त होना था। लेकिन उनकी हालिया आलोचनात्मक टिप्पणियों के बाद उम्मीद की जा रही थी कि वह इस पद पर जारी नहीं रहेंगी। हॉकी इंडिया (एचआई) ने बताया कि 46 वर्षीय कोच ने ओडिशा में एफआईएच हॉकी प्रो लीग के घरेलू चरण में टीम का अभियान खत्म होने के बाद हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की को अपना इस्तीफा सौंप दिया। इस पर हॉकी इंडिया ने कहा कि हालिया ओलंपिक क्वालीफायर में निराशा के बाद उनके इस्तीफे ने हॉकी इंडिया के लिए महिला हॉकी टीम के लिए एक उपयुक्त मुख्य कोच की तलाश का मार्ग प्रशस्त कर दिया है जो 2026 में अगले महिला विश्व कप और 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक के लिए भारतीय टीम को तैयार कर सके। यह भारतीय महिला हॉकी में एक नया अध्याय शुरू करने का समय है जिसमें खिलाड़ियों की प्रगति हमारा फोकस रहेगा।

जो रूट ने खेली शानदार पारी, कुक हुए उनके दीवाने

लंदन । इंग्लैंड के पूर्व कप्तान एलिस्टर कुक ने 'बैजबॉल (टेस्ट क्रिकेट में आक्रामक अंदाज में बल्लेबाजी करना) शैली के विपरीत अंदाज में बल्लेबाजी करने के लिए जो रूट की जमकर प्रशंसा की। रूट पहले 3 मैच में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर सके थे, लेकिन रांची में चल रहे चौथे टेस्ट की पहली पारी में उन्होंने नाबाद 122 रन बनाए जिससे इंग्लैंड 5 विकेट पर 112 रन के स्कोर से उबरकर 353 रन बनाने में सफल रहा। कुक ने कहा कि जो रूट ने आज (शुक्रवार) अपने बेसिक्स पर लौटकर बल्लेबाजी की। आप जो रूट जैसे बल्लेबाज से इन शॉट की उम्मीद करते हैं। उनके रिवर्स स्कूप को लेकर काफी चर्चा हुई, लेकिन रूट ने यह पारी अपने विशिष्ट अंदाज में खेली। उन्होंने कहा कि यह सामान्य से थोड़ा धीमी पारी थी लेकिन वह अपनी पूरी लय में थे। जब वह लय में होते हैं तब फिर रोहित शर्मा की तरह उनके लिए बल्लेबाजी करना आसान हो जाता है। यह शानदार पारी थी। वह स्पिन को अच्छी तरह से खेलते हैं और उनके पास सारे विकल्प मौजूद होते हैं।

वीडियो में सामने आई गेंदबाज वसीम जूनियर की शर्मनाक हरकत

सलमान आगा के बल्ले पर पैर रखकर की रन आउट की अपील

नई दिल्ली ।

पाकिस्तान क्रिकेट टीम के खिलाड़ियों के विवाद को लेकर सोशल मी डिया पर एक वी डियो आया है, जिसमें टीम के तेज गेंदबाज वसीम जूनियर रन आउट की अपील कर रहे है। पाकिस्तान सुपर लीग के दौरान इस वी डियो ने इस्लामाबाद युनाइटेड और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच खेले गए मुकाबले में खेल भावना को तार तार किया गया। कमाल की बात यह कि इसको लेकर वसीम को मैदान पर कोई शर्म भी नहीं आई थी। सोशल मीडिया पर वसीम जूनियर की इस हरकत का वीडियो देख जमकर ट्रोल किया जा रहा है। मिली जानकारी के अनुसार 22 फरवरी गुरुवार को इस्लामाबाद युनाइटेड और क्वेटा ग्लेडिएटर्स के बीच मुकाबला खेला गया था। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए इस्लामाबाद युनाइटेड ने क्वेटा ग्लेडिएटर्स के सामने 9 विकेट पर 138 रन का स्कोर खड़ा किया था। लक्ष्य का पीछा करते हुए 18।2 ओवर में 7 विकेट गंवाकर क्वेटा ग्लेडिएटर्स की टीम ने जीत दर्ज की। क्वेटा ग्लेडिएटर्स के तेज गेंदबाज वसीम जूनियर इस्लामाबाद युनाइटेड के खिलाफ 11 ओवर कर रहे थे।

तभी चौथी बॉल पर सलमान आगा ने एक रन लेने के लिए दौड़ लगाई रन पूरा किया और दूसरे रन की तलाश में फिर से दौड़ लगाई लेकिन गेंद वापस आती देख वो वापस लौट गए। नॉन स्ट्राइक पर पहुंचने से पहुंचने से पहले उनका

बल्ला क्रीज के करीब जाते ही जमीन से टकराकर हाथ से छूट गया और वसीम जूनियर का पैर उसके उपर आ गया। वसीम जूनियर ने बॉल आते ही स्टंप पर दे मारा और रन आउट की अपील की।

वीडियो में साफ नजर आ रहा था कि बल्ला वसीम के पैर के नीचे आने की वजह से ही सलमान रन पूरा नहीं कर पाए। फिर भी उन्होंने अंपायर से आउट की अपील की जिसको लेकर सलमान ने आपत्ति भी जताई। इस दौरान अंपायर ने वसीम को समझाया और रन आउट देने से मना कर दिया।

इंग्लैंड के दिग्गज निक नाइट ने अपने ही खिलाड़ी पर निकाली भड़ास

-परिस्थिति के अनुसार खेलने की दी नसीहत

नई दिल्ली । इंग्लैंड के दिग्गज प्लेयर निक नाइट ने अपने ही खिलाड़ी पर भड़स निकाली है। उन्होंने परिस्थिति के अनुसार खेलने की नसीहत भी दी है। गौरतलब है कि भारत और इंग्लैंड के बीच चौथे टेस्ट के पहले दिन इंग्लिश टीम का दबदबा रहा। पहले दिन इंग्लैंड ने भारत के खिलाफ 300 से ज्यादा रन बनाए। खराब फॉर्म से जूझ रहे इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई करते हुए शतकीय पारी खेली। जॉनी बेयरस्टो पहली इनिंग में फ्लॉप रहे। उनके खराब प्रदर्शन से पूर्व क्रिकेटर निक नाइट खुश नहीं हैं। मैच के बाद इंग्लैंड के पूर्व ओपनर बल्लेबाज निक नाइट ने एक इंटरव्यू के दौरान बेयरस्टो पर जमकर भड़ास निकाली। उन्होंने कहा, 'हमने कितनी बार कहा है कि इस पिच पर स्वीप एक अच्छा विकल्प नहीं है। मुझे पता है कि यह सचमुच एक खराब विकल्प था। आप जानते हैं, हम बज़बॉल के बारे में बहुत बात करते हैं, हम आक्रामक होने के बारे में भी बहुत बात करते हैं। लेकिन परिस्थिति के अनुसार ढलने में क्या बुराई है। आप अपने पैरों का भी उपयोग नहीं करते हो।' इतना ही नहीं नाइट ने आगे कहा कि अश्विन ने जब गेंद डाली थी तो मैं पहले ही समझ गया था। बेयरस्टो ने लेंथ को अच्छी तरह से पिक किया। लेकिन हर बार आपको आक्रमक होने की जरूरत नहीं होती है और मुझे लगता है कि स्वीप शॉट का चयन उस समय पर करने की जरूरत नहीं थी।' बता दें कि जॉनी बेयरस्टो चौथे टेस्ट मैच के पहले दिन सिर्फ 38 रन बनाकर आउट हो गए। इस दौरान उन्होंने 38 गेंदों का सामना किया। जॉनी बेयरस्टो को अश्विन ने एलबीडब्लयू कर चलता किया। हालों कि जो रूट ने चौथे नंबर पर आकर शतकीय पारी खेली। रूट के अलावा इस मैच में जॉनी बेयरस्टो के बल्ले से 38 रन निकले।

दो दिवसीय सुवाली बीच महोत्सव पूरे रंग में शुरू:25 फरवरी तक समुद्र तट महोत्सव का आनंद लेने का मौका

सूरत । तटीय पर्यटन स्थलों, विभिन्न समुद्र तटों को उजागर करने और पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 24 और 25 फरवरी को गुजरात पर्यटन निगम और सूरत जिला प्रशासन द्वारा आयोजित दो दिवसीय सुवाली बीच महोत्सव का उद्घाटन केंद्रीय रेल और कपड़ा राज्य मंत्री श्रीमती ने किया। दर्शनाबेन जरदोश।

इस मौके पर केंद्रीय मंत्री दर्शनाबेन जरदोश ने कहा कि हमारा राज्य प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर है. गुजरात की सबसे लंबी तटरेखा 1600 किमी है। वर्तमान में राज्य सरकार इन समुद्र तटों को दर्शनीय पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का कार्य कर रही है, जो सराहनीय है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि वर्षों से इस क्षेत्र के लोगों के प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखते हुए, राज्य सरकार ने करोड़ों की लागत से सुवाली समुद्र तट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए कदम उठाया है, जो बधाई का पात्र है। सुवाली समुद्र तट सूरत सहित स्थानीय लोगों के लिए एक प्रमुख रोजगार केंद्र और समुद्र तट प्रेमियों के लिए एक अन्य पर्यटन स्थल के रूप में लोकप्रिय हो रहा है।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल ने कहा कि पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किये जा रहे हैं। लोगों के आने और सुवाली समुद्र तट की सुंदरता का आनंद लेने के लिए लापता सुविधाएं बनाई जाएंगी। आने वाले दिनों में सुवाली में वन विभाग नगरवन सूडा द्वारा 10 करोड़ की लागत से एडवेंचर पार्क का निर्माण किया जायेगा।

मंत्री ने कहा कि सुवाली में राज्य के 14 जिलों के आदिवासियों के लिए 45 स्टॉल स्थापित कर नि:शुल्क आवंटित किये जायेंगे ताकि वे अपनी हस्तशिल्प एवं गृह उद्योग की वस्तुएं बेचकर जीविकोपार्जन कर सकें. इस समुद्र तट पर दुर्घटनाओं की संख्या को कम करने के लिए, पर्यटकों से समुद्र में स्नान न करने और जोखिम न लेने और आवश्यक सावधानी बरतने का दृढ़ता से अनुरोध किया गया।

इस मौके पर चोर्यासी विधायक संदीपभाई देसाई ने कहा कि शहर की आबादी और पर्यटन सुविधाओं में बढ़ोतरी को देखते हुए राज्य सरकार ने सुवाली बीच के विकास के लिए 48 करोड़ रुपये आवंटित किये हैं. समुद्र तट तक पहुंचने के लिए 10 मीटर चौड़ी सड़क का निर्माण किया गया है और अडाजण से दैनिक आधार पर बस की सुविधा प्रदान की गई है। 2.20 करोड़ रुपये की लागत से सर्किट हाउस भी स्वीकृत हो गया है। समुद्र तट के विकास से आसपास के गांवों के लोगों के लिए रोजगार पैदा होगा।

श्री देसाई ने कहा कि सुवाली समुद्र तट को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने, तटीय पर्यटन को प्रोत्साहित करने और बड़ी संख्या में पर्यटकों/आगंतुकों को समुद्र तट का आनंद लेने, बिक्री स्टॉल धारकों और स्थानीय लोगों को दैनिक रोटी प्रदान करने के लिए, राज्य सरकार और जिला/तालुका प्रशासन बीच फेस्टिवल का आयोजन किया है। पहले दिन ही सुवाली बीच फेस्टिवल का आनंद लेने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े। गौरतलब है कि सूरत के पास सुवाली बीच प्राकृतिक सुंदरता, सांस्कृतिक समृद्धि और विविधता से भरा समुद्र तट है। यहां की सफ़ाई अद्भुत है. सुवाली में हमें मिनी गोवा की झलक मिलती है।

इस अवसर पर वन एवं पर्यावरण राज्य मंत्री श्री मुकेशभाई पटेल, शिक्षा राज्य मंत्री श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया, सांसद प्रभुभाई वसावा, जिला पंचायत अध्यक्ष भाविनी पटेल, विधायक मनु पटेल, महापौर दक्षेश मवानी, जिला कलेक्टर श्री डॉ. सौरभ पारधी, जिला विकास अधिकारी शिवानी गोयल, सुमुल डेयरी के अध्यक्ष श्री मानसिंह पटेल, जिला ग्राम विकास एजेंसी के निदेशक श्री एम.बी.प्रजापति, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्री के.एन.डामोर, डी.टी. पंचायत अध्यक्ष तृप्तिबेन पटेल, जिला संघ अध्यक्ष भरत राठौड़, मामलतदार श्री नीरव परितोष, मनपा, जिला प्रशासन और पर्यटन अधिकारी और ग्रामीण, बड़ी संख्या में आगंतुक उपस्थित थे।

सुवाली बीच फेस्टिवल में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए समुद्र तट खेल गतिविधियों में बीच वॉलीबॉल, रस्साकशी, ऊंट और घुड़सवारी, कमांडो नेट, बीम बैलेंसिंग, बर्मा ब्रिज, रस्सी पर चढ़ना, टायर पर चढ़ना, दिन के दौरान मेंहदी, संगीत, नृत्य, पेंटिंग शामिल हैं। अन्य गतिविधियाँ – मिट्टी में कला, बच्चों के लिए खेल और फूड कोर्ट, शिल्प स्टॉल, फोटो कॉर्नर भी है।

साहसिक उत्साही लोगों के लिए साहसिक खेल और शौकीनों के लिए शिल्प स्टॉल हैं। बच्चों के मनोरंजन के लिए यहां मनोरंजक गतिविधियों की भी योजना बनाई गई है। कुल मिलाकर, सुरती को इस पूरे उत्सव को युवा और वृद्ध सभी के लिए आनंददायक बनाने का अवसर मिला है।

शाम को बीच फेस्टिवल में लोकप्रिय लोक गायक कीर्तिदान गढ़वी ने लोकदिरा में लोक संगीत की प्रस्तुति से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। लोकदिरा में संगीत वृंदा के संगीत पर सुरति नृत्य करते रहे।

चोर्यासी तालुका के सुवाली समुद्र तट पर खाने-पीने की दुकान चलाने वाले जूनागाम के मूल निवासी चंदूभाई पटेल ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा सुवाली उत्सव का आयोजन किया गया है, जिससे दुकानदारों, घुड़सवारों को बहुत फायदा हुआ है। ऊँट मालिक, हमारे जैसे सवार। सरकार ने समुद्र तट को विकसित करने के लिए 48 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की है, जिससे पर्यटकों को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी। वर्तमान में सुवाली गांव से सुवाली तट तक 7 करोड़ रूपये की लागत से चौड़ी सड़क का निर्माण किया गया है, जो बधाई की पात्र है।

सूरत शहर के सिटीलाइट इलाके में रहने वाली और सुवाली बीच का दौरा करने वाली रेशमा पटेल ने कहा कि महोत्सव में फूड स्टॉल, डिरो, सवारी, ऊंट की सवारी जैसे कई आकर्षण स्थापित किए गए हैं। सरकार ने समुद्र तट को विकसित करने के लिए मातबर अनुदान आवंटित किया है जो हरवा आने वाले पर्यटकों के लिए एक और पर्यटन स्थल प्रदान करेगा। उन्होंने कहा, इस महोत्सव को देखने के बाद मुझे कच्छ महोत्सव की याद आ गई।

महंत श्री नित्य गोपाल दास जी के दर्शन मात्र से जीवन धन्य हो जाता है: दिनेश कुमार पाण्डेय

सुरत भुमि, सूरत। राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के अध्यक्ष श्री श्री 1008 परम पूज्य महंत श्री नित्य गोपाल दास जी महाराज जी का आगमन सूरत के कपड़ा व्यवसायी दिनेश कुमार पांडेय जी के निवास स्थान राजहंस फेरियाडो में आगमन हुआ। दिनेश कुमार पांडेय डायरेक्टर ऑफ डी टी ट्रेंड्ज़ प्राइवेट लिमिटेड (ग्रुप ऑफ दिनेश टेक्सटाइल ने बताया कि आज हमारा जीवन धन्य हुआ कई जन्मों का किया हुआ पूण्य कार्य आज सफल हुआ। उन्होंने बताया कि जब मैं अयोध्या श्री राम लला सरकार के दर्शन हेतु गया था तब मैं पूज्य गुरु जी से आग्रह किया की एक बार वह हमारे निवास स्थान पर गुजरात सूरत जरूर पधारे और पूज्य सरकार ने उन्हें आश्वासन दिया कि अब जब भी मैं गुजरात दौरे पर आऊंगा तो मैं आपके निवास स्थान पर जरूर आऊंगा। इसी उपरांत आज पूज्य गुरु जी व्यवसाई दिनेश कुमार पाण्डेय के निवास स्थान पर पधारे जिनके दर्शन से जीवन धन्य हो गया।

बाबा परमानन्द पुण्यतिथि महोत्सव का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। बाबा परमानन्द सेवा समिति द्वारा लोसल नगर संत श्री श्री 1008 परमहंस बाबा परमानन्दजी महाराज की 72वीं पुण्यतिथि महोत्सव शनिवार को बड़े धूम-धाम से मनाया गया। इस अवसर पर घोड़दौड़ रोड स्थित अग्रवाल समाज भवन के बेसमेंट हॉल में दोपहर दो बजे से विशाल रुद्राभिषेक, शाम छः बजे से बाबाजी की प्रतिमा का शृंगार दर्शन, शाम साढ़े छः बजे से महाआरती एवं नित्य प्रार्थना स्तुति का आयोजन किया गया। आयोजन में शाम सात बजे से महाप्रसाद का आयोजन किया गया। बाबा परमानन्द सेवा समिति, सूरत एवं लोसल नागरिक परिषद, सूरत द्वारा आयोजित कार्यक्रम में शाम साढ़े सात बजे से विशाल भजन संध्या एवं शास्त्रीय संगीत समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें आमंत्रित सुप्रसिद्ध गायक कलाकारों द्वारा प्रस्तुति दी गई। आयोजन में अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

एविटी फ़्ली फेयर का हुआ आयोजन

सुरत भुमि, सूरत। अग्रवाल विकास ट्रस्ट महिला एवं युवा शाखा द्वारा एविटी फ़्ली फेयर का शानदार आयोजन सिटी-लाइट स्थित सुरभी ग्राउंड में किया गया। फ़्ली में युवाओं को "से यस टू लाइफ...नो टू ड्रग" का मैसेज दिया गया साथ ही युवा पीढ़ी की कैसे अपना जीवन जीना चाहिए आदि पर बहुत सारे टिप्स दिये गए। फ़्ली में एक्रेलिक पेंटिंग, मण्डाला आर्ट, भार्गव राजपूत की डांस सहित अनेकों तरह की वर्कशॉप का आयोजन भी किया गया था। फ़्ली में सेवन चक्रास द्वारा लाइव बैंड की प्रस्तुति हुई। फ़्ली में बच्चों के खिलौने, ब्यूटी प्रोडक्ट, सजावट का सामान, कपड़े, ज्वैलरी सहित अनेकों प्रकार के स्टॉल रखे गये थे। देर रात तक चले आयोजन में सैंकड़ों युवा ने भाग लिया। इस मौक़े पर अग्रवाल विकास ट्रस्ट के अध्यक्ष संजय सरावगी, सचिव राजीव गुप्ता, कोषाध्यक्ष राहुल अग्रवाल, सहकोषाध्यक्ष शशिभूषण जैन, महिला शाखा अध्यक्ष शालिनी कानोडिया, युवा शाखा अध्यक्ष निकिता अग्रवाल सहित अनेकों सदस्य उपस्थित रहें।

नायका ने वीआर मॉल सूरत में अपने बेहद सफल ब्यूटी बार को फिर से लॉन्च किया

सूरत।

भारत के अग्रणी सौंदर्य और जीवनशैली गंतव्य नायका ने वीआर मॉल में आयोजित एक रोमांचक कार्यक्रम के साथ सूरत में अपने बेहद सफल ब्यूटी बार को फिर से लॉन्च किया है। प्रसिद्ध मेकअप कलाकार जिया सोसा द्वारा आयोजित मास्टरक्लास में 100 से अधिक सौंदर्य प्रेमियों को भाग लेने का अवसर मिला। सत्र के दौरान, ई.एल.एफ. के उपस्थित लोग। कॉस्मेटिक्स, के ब्यूटी, हुडा ब्यूटी और नायका कॉस्मेटिक्स जैसे शीर्ष ब्रांडों का उपयोग करके एक सिग्नेचर ब्राइडल ग्लैम लुक हासिल करने के लिए मूल्यवान युक्तियाँ और तकनीकें सीखीं। आवश्यक मेकअप, बाल और त्वचा देखभाल उत्पादों वाले मेकओवर के साथ, नायका ने यह सुनिश्चित किया कि प्रत्येक प्रतिभागी अद्भुत दिखे। सूरत स्थित मेकअप आर्टिस्ट जिया सोसा ने एक सिग्नेचर ब्राइडल ग्लैम लुक तैयार किया है जिसे बड़े दिन पर आसानी से निभाया जा सकता है। उन्होंने मॉडल की त्वचा पर ई.एल.एफ. लगाया। कॉस्मेटिक्स की शुरुआत सी-ब्राइट पुट्टी प्राइमर यूनिवर्सल शीयर और बेस के लिए हुडा ब्यूटी फॉक्स फिल्टर कंसीलर से हुई।

इस बेहद पसंद की जाने वाली उपभोक्ता केंद्रित संपत्ति के बारे

में बात करते हुए, नायक के एक प्रवक्ता ने कहा, "नायक सौंदर्य की दुनिया से सर्वश्रेष्ठ ब्रांडों, उत्पादों और रुझानों को नए और दिलचस्प प्रारूपों में उपभोक्ताओं के करीब लाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमारे ब्यूटी बार ने पिछले कुछ वर्षों में बहुत लोकप्रियता और प्यार हासिल किया है, और सूरत ने हमें जो प्यार दिखाया है, उससे हम रोमांचित हैं। हम पूरे साल विभिन्न शहरों में ऐसे कई सौंदर्य बार की मेजबानी करेंगे, और सौंदर्य में सबसे अधिक मांग वाले ब्रांडों, विशेषज्ञों और पेशकशों के साथ अपने ग्राहकों के लिए यादगार अनुभव बनाने के लिए तत्पर हैं।"

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादक: संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोन: 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)